RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 259 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 07 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

पूर्ण चंद्र ग्रहण आज

साल 2025 का दूसरा और भारत में साल का पहला चंद्र ग्रहण 7-8 सितंबर की रात को लगने जा रहा है, जो भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि को घटित होगा। यह एक पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा और सबसे खास बात यह है कि इसे भारत के अधिकांश हिस्सों में साफ़ तौर पर देखा जा सकेगा। यह ग्रहण न केवल खगोलीय दृष्टि से विशेष है, बल्कि धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बार का चंद्र ग्रहण समय की दृष्टि से भी काफी लंबा होगा और इसे हाल के वर्षों में घटित होने वाली सबसे प्रभावशाली खगोलीय घटनाओं में से एक माना जा रहा है। क्योंकि यह भारत में दृश्यमान होगा, इसलिए सूतक काल भी मान्य होगा, जिसका पालन विशेष रूप से पूजा-पाठ, धार्मिक कार्यों, और दैनिक जीवन में किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य मनोज कुमार द्विवेदी के अनुसार यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जो इसे और भी अधिक असरदार बनाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि यह चंद्र ग्रहण कब से कब तक रहेगा, सूतक काल की समय-सीमा क्या होगी, और यह सभी 12 राशियों पर क्या प्रभाव डालेगा।

सीएम योगी ने अनुदेशकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

प्रदेश को ईमानदारी से आगे बढ़ाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोकभवन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा विभाग के 1510 चयनित अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में सांसदों और विधायकों ने भी सफल अभ्यर्थियों को नियुक्तिपत्र देकर उनके सपनों को साकार करने में सहभागी बने।

सरकार का कहना है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि कुल 1851 अनुदेशकों के चयन की प्रक्रिया पूरी हो रही है, जिससे 286 राजकीय आईटीआई में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा।

प्रदेश में 324 राजकीय आईटीआई और करीब 3000 निजी आईटीआई संचालित हो रहे हैं। यहां 82 से अधिक ट्रेड में 1.84 लाख युवाओं को प्रशिक्षण की सुविधा है। किसी भी युवा की आर्थिक स्थिति प्रशिक्षण में बाधा न बने, इसके लिए सरकारी आईटीआई की फीस मात्र 40 रुपये मासिक तय की गई है। वहीं निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा दी जाती है।

सरकार ने भविष्य की तकनीकों जैसे सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, 3ष्ठ प्रिंटिंग और डिजिटल कम्युनिकेशन में प्रशिक्षण देने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज और 18 वैश्विक कंपनियों के सहयोग से 150 आईटीआई का उन्नयन किया है। इस परियोजना पर 5000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। हर साल 15 हजार से अधिक युवा इस आधुनिक प्रशिक्षण का लाभ उठा रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध: कीव पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों का हमला, दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष लगातार तेज होता जा रहा है। शनिवार को रूस ने एक बार फिर यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाया। ड्रोन और मिसाइलों से किए गए हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक साल का बच्चा भी शामिल है। वहीं, 10 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, कीव नगर प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने पुष्टि की कि मृतकों में मासूम बच्चे का शव मलबे से बरामद किया गया। कीव के मेयर विटाली क्लित्श्को ने जानकारी दी कि दागे गए ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की जिले की एक आवासीय इमारत और डार्नित्स्की जिले की एक अन्य इमारत पर गिरा।

हमले के बाद कैबिनेट भवन की छत से धुआं उठता भी देखा गया, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी कि धुआं हमले के कारण था या किसी अन्य वजह से। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है।

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से जारी इस संघर्ष ने अब राजधानी कीव को बार-बार निशाना बनाना शुरू कर दिया है। लगातार हो रहे हमलों ने न केवल आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है, बल्कि यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

विधायक ने कई सोसाइटियों में किया जन संवाद

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने आज 9 सोसाइटियों में जाकर जन संवाद किया तथा वहाँ के लोगों की समस्याएँ सुनीं। समस्याएँ सुनने के बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि अतिशीघ्र उनकी समस्याओं का निस्तारण कर दिया जाएगा। विधायक ने मौके पर मौजूद नोएडा प्रखंड के अधिकारियों से भी कहा कि वे इन समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराएँ।

इस दौरान लोगों ने जल, सीवर, सफाई, उद्यान विभाग, पार्कों के रखरखाव तथा नालियों एवं सड़कों के मरम्मत और निर्माण की समस्याएँ उठाईं। वहीं कुछ लोगों ने आवारा कुत्तों से हो रही परेशानी की भी समस्या रखी।

विधायक ने आज सबसे पहले सेक्टर-46 स्थित गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी का दौरा किया। इसके बाद सेक्टर-99 की सुप्रीम टावर, सेक्टर-107 में प्रतीक एडिफिस, सेक्टर-104 में एटीएस वन हेमलेट, सेक्टर-128 में जेपी विश टाउन, सेक्टर-93 में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट, सेक्टर-93 में पार्श्वनाथ प्रेस्टीज तथा पार्थनाथ सृष्टि एवं इसी सेक्टर में ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में जाकर लोगों से जन संवाद किया।

डिंपल आनंद, अमित त्यागी, महेश अवाना, करतार सिंह चौहान, नीरज चौधरी, गौतम शर्मा, प्रदीप चौहान, पुनीत धड़कन, आशीष, एडवोकेट देवेंद्र चौहान, कमल शंकर, शिखा सिंह, मनोज चौहान, पंकज झा, जितेंद्र राजपूत, नीरज चौहान, शिवम पाठक, बबलू यादव, धर्मेंद्र चौहान, गोपाल गौड़, राहुल शर्मा, राजीव उपाध्याय, अमित कुमार त्यागी, सुशीला अवाना, भगत भाटी, लक्ष्मी पटवाल, इंदिरावती, ठाकुर अतुल सिंह, आकाश चौहान, नोएडा प्राधिकरण से उप महाप्रबंधक विजय रावल, उमेश कुमार, राजीव कुमार, अमित शर्मा, बिजली विभाग के अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के निवासी उपस्थित रहे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आज नोएडा में, सेवा पखवाड़ा को लेकर करेंगे बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी आज नोएडा प्रवास पर रहेंगे। वह सेवा पखवाड़ा को लेकर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इससे पूर्व वह मीडिया को संबोधित करते हुए सेवा पखवाड़ा की विस्तृत जानकारी साझा करेंगे।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी दोपहर करीब 4 बजे सेक्टर-116 स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक करेंगे। इसमें सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इससे पहले आयोजित प्रेस वार्ता में वह सेवा पखवाड़ा से जुड़ी जानकारी मीडिया को देंगे।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह, पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया तथा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि भाजपा समय-समय पर सेवा पखवाड़ा का आयोजन करती रहती है। इसके अंतर्गत स्वच्छता अभियान, सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार और अन्य जनसेवा कार्य किए जाते हैं। यह अभियान महानगर से लेकर मंडल स्तर तक लगातार 15 दिनों तक चलता है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पखवाड़े के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देंगे।

समाज हित में किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता : स्वामी अनुसरण महाराज

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-27 स्थित बड़ा मंदिर में आज क्षमावाणी दिवस के अवसर पर श्रीश्री 108 स्वामी अनुसरण महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मंदिर के अध्यक्ष पवन जैन को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का जिला संयोजक बनाए जाने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

स्वामी अनुसरण महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि आप निरंतर प्रगति करें और समाज को महत्व देते हुए कार्य करें। समाज हित में किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता। यह कार्य आपके उज्ज्वल और सुखद भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के डॉ. एस.पी. जैन, महावीर जैन, आकाश जैन,उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, मनोज जैन सहित समाज के अन्य प्रतिनिधियों ने भी पवन जैन को शुभकामनाएं दीं।

मोबाइल लुटेरा चढ़ा ग्रामीणों के हत्थे, जेब से बरामद हुए 15 से ज्यादा फोन

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में सड़कों पर बढ़ते स्ट्रीट क्राइम ने पुलिस की चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रहे एनकाउंटर और कार्रवाई के बावजूद बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। लखनावली गांव में डीएम आवास के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश की। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए एक बदमाश को दबोच लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान फुरकान के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने जब उसकी तलाशी ली तो एक-एक कर उसकी जेब से 15 से अधिक मोबाइल फोन बरामद हुए। लोगों ने लुटेरे की जमकर धुनाई कर उसे सूरजपुर थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से एक रियलमी का मोबाइल (उसका निजी फोन) और लूटे गए 15 अन्य फोन समेत कुल 16 मोबाइल बरामद हुए हैं। सूरजपुर थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि फरार साथी की तलाश में टीम गठित कर दी गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। बरामद मोबाइल फोन की जांच कर पीड़ितों को सुपुर्दगी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

यमुना-हरनंदी का जलस्तर घटा, पर बाढ़ का खतरा बरकरार

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 19 गांवों में बाढ़ का असर, 3900 लोग प्रभावित, हजारों बीघा फसल डूबी

ग्रेटर नोएडा/नोएडा। यमुना और हरनंदी नदियों का जलस्तर लगातार घट रहा है, लेकिन बाढ़ का खतरा पूरी तरह टला नहीं है। हथनीकुंड बैराज से अभी भी पानी छोड़ा जा रहा है। शनिवार को करीब 36 हजार क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ा गया। राहत की बात यह है कि जलस्तर में कमी दर्ज की गई है, लेकिन नदियों के किनारे बसे गांवों और फार्महाउसों के लिए खतरा अभी भी टला नहीं है।

शनिवार शाम पांच बजे जारी जिला प्रशासन की बाढ़ बुलेटिन के अनुसार, यमुना नदी का जलस्तर 200.00 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी बिंदु 202.17 मीटर से 0.60 मीटर नीचे है। वहीं हरनंदी का जलस्तर गाजियाबाद में 199.95 मीटर रहा, जो खतरे के निशान से 5.58 मीटर नीचे है।

एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अतुल कुमार के मुताबिक, जिले के 19 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें 12 गांव सदर तहसील, 6 दादरी तहसील और 1 जेवर तहसील का शामिल है। इन गांवों की करीब 3900 की आबादी प्रभावित हुई है। इनमें से 3433 लोग 15 शरणालयों में ठहरे हुए हैं।

शरणालयों में पेयजल, भोजन, साफ-सफाई और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की गई है। कम्युनिटी किचन के जरिए नाश्ता, लंच पैकेट और रात्रि भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने प्रभावितों से अपील की है कि सुरक्षा की दृष्टि से फिलहाल पानी में न उतरें।

शनिवार को सदर तहसील में 470 और दादरी तहसील में 142 राहत किट बांटी गईं। जिले में 19 बाढ़ चौकियां और 15 शरणालय सक्रिय हैं। राजस्व विभाग और अन्य विभागों के कर्मचारी तीन शिफ्टों में तैनात हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने 6 रैपिड रिस्पांस टीमें गठित की हैं और एंटी-स्नैक वेनम सहित जरूरी दवाइयों की व्यवस्था की है।

पशुओं के लिए सेक्टर-135 में एक पशु शिविर स्थापित किया गया है, जहां अब तक 1471 गौवंश को सुरक्षित ले जाकर उपचार किया जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी और आपदा मित्र की टीमें 13 नावों के साथ राहत कार्य में लगी हुई हैं।

सिंचाई विभाग बांध की सुरक्षा पर 24 घंटे निगरानी रखे हुए है। एई हरिओम के मुताबिक, झुप्पा गांव के पास करीब 15 हजार रेत से भरे बोरे बांध की मजबूती के लिए रखे गए हैं। कमजोर हिस्सों की तुरंत मरम्मत कराई जा रही है।

20 सितंबर के बाद राहत की उम्मीद

ओखला बैराज से छोड़े जाने वाले पानी में कमी आने के बाद यमुना का जलस्तर तेजी से गिर रहा है। दो दिनों में यमुना में 79 हजार क्यूसेक पानी का प्रवाह घटा है। शनिवार को जलस्तर में 70 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई। अनुमान है कि रविवार सुबह तक यह कमी 1.20 मीटर तक पहुंच सकती है।

यमुना का पानी उतरने से बाढ़ प्रभावित सेक्टरों और गांवों में अब रेत दिखाई देने लगी है। प्रशासन का मानना है कि 20 सितंबर के बाद हालात पूरी तरह नियंत्रण में आ जाएंगे।

यमुना का बैकफ्लो हरनंदी तक पहुंचने से सेक्टर-150, 151, 144 और 145 डूब क्षेत्र में तब्दील हो गए थे। अब पानी उतरने लगा है। हालांकि हजारों बीघा फसल बर्बाद हो चुकी है और कई अवैध फार्महाउस अब भी डूबे हुए हैं।

प्रभावित परिवारों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। कई परिवार अभी पुश्ते पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। प्रशासन और समाजसेवी भोजन और राहत सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।

बैकफ्लो रोकने के लिए सेक्टर-168 में बने रेगुलेटर को बंद कर दिया गया था। इससे कोंडली ड्रेन का पानी चार दिन तक यमुना में नहीं गिर पाया। ड्रेन की क्षमता 3200 क्यूसेक है, लेकिन इसमें 4500 क्यूसेक पानी भर गया था। यदि शनिवार सुबह ड्रेन नहीं खोली जाती तो नोएडा के कई सेक्टरों और गांवों में सीवर ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहने लगता। ड्रेन खुलने से शहर ने राहत की सांस ली है।

सबसे बड़ा बाजार

'एप्पल' ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'अमेजन' ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'गूगल' ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध' करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को 'शीत युद्ध' एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की 'दादागीरी' मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना 'परम मित्र' मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्टपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया। उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। राष्टपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप चस्पां किया है कि वह अमरीका के खिलाफ साजिश रच रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखना ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल जो भी निर्णय लेना है, राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीका को लेना है।

यूरोप को अब पीएम मोदी से आस

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की दिशा अक्सर आर्थिक समीकरणों से तय होती है। हाल के दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाए गए टैरिफ विवाद ने यूरोपीय संघ (श्व) को झटका दिया है। अमेरिकी बाजारों पर निर्भरता और ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों ने यूरोपीय देशों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें अपने वैश्विक साझेदारों का दायरा बढ़ाना होगा। इसी कड़ी में भारत एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभर रहा है। हम आपको बता दें कि यूरोपीय संघ ने अब तक भारत के खिलाफ रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर कोई सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की बात नहीं की है। यह बहुत बड़ा संकेत है कि यूरोप, भारत को नाराज़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। वजह साफ है— भारत न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और राजनीतिक संतुलन में उसकी भूमिका अहम हो चुकी है।

इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध के चलते यूरोप थकान और बेचैनी की स्थिति में है। अब तक की सारी कोशिशें— मसलन व्हाइट हाउस के दरवाज़े खटखटाने से लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ मंच साझा करने तक, किसी ठोस परिणाम तक नहीं पहुँची हैं। इसी परिदृश्य में यूरोपीय नेताओं ने भारत की ओर देखना शुरू किया है। यूरोपीय संघ (श्व) और स्वयं यूक्रेन, इस युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की भूमिका पर नज़रें गड़ाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के विदेश मंत्री की भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ हुई वार्ताओं ने इस धारणा को और प्रबल किया है कि भारत की आवाज़ अंतरराष्ट्रीय मंच पर निर्णायक साबित हो सकती है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से संयुक्त टेलीफोन वार्ता की। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की समीक्षा की गई और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला जैसी अहम विषयों पर प्रगति का स्वागत किया गया। दोनों पक्षों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (स्नञ्ज) को जल्द निष्कर्ष तक पहुँचाने और द्बरूश्वश्वष्ट कॉरिडोर के क्रियान्वयन पर बल दिया। वॉन डेर

प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत की स्थायी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और स्थिरता की बहाली के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को भारत आने और 2026 में होने वाले अगले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

लेयेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यूक्रेन का युद्ध वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए गहरा खतरा है और इसे समाप्त करवाने में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत की स्थायी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और स्थिरता की बहाली के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को भारत आने और 2026 में होने वाले अगले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

उधर, यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की। सिबिहा ने युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी साझा करते हुए भारत से आग्रह किया कि वह अपनी 卐प्राधिकृत आवाज़ और सक्रिय भूमिका卐 से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों को गति दे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन एक 卐न्यायसंगत शांति卐 की दिशा में काम कर रहा है और भारत की भागीदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम होगी। दोनों पक्षों ने आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में मिलने और राजनीतिक, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चीन में मुलाकात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता के अलावा निजी स्तर पर भी लंबी बातचीत हुई थी। इससे पहले 30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की से भी बात की थी और शांति बहाली का समर्थन दोहराया था। इस प्रकार, भारत एक ओर रूस के साथ अपने रणनीतिक और ऊर्जा संबंधों को बनाए रखे हुए है, वहीं दूसरी ओर यूरोप और यूक्रेन को आश्वस्त कर रहा है कि वह युद्ध को समाप्त करने के लिए रचनात्मक योगदान देगा।

सवाल उठता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भारत की भूमिका क्यों अहम है? इसका जवाब यह है कि भारत की स्थिति कई कारणों से अनूठी है। भारत रूस और पश्चिम— दोनों से संवाद बनाए रखने वाले कुछेक देशों में से है। लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रियता के कारण भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है। साथ ही दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और उभरती शक्ति होने के कारण भारत की बात को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी की 卐यह युग युद्ध का नहीं है卐 वाली घोषणा पहले ही वैश्विक राजनीति में एक नैतिक संदर्भ बन चुकी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा फिलहाल अनिश्चित बनी हुई है। लेकिन यह तथ्य स्पष्ट है कि यूरोप और यूक्रेन भारत की भूमिका को निर्णायक मान रहे हैं। भारत यदि अपनी कूटनीतिक ताक़त और संवाद-क्षमता का उपयोग कर सके, तो न केवल इस युद्ध के अंत की राह आसान होगी, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साख भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगी।

बहरहाल, यूरोपीय संघ का भारत की ओर झुकाव केवल कूटनीति का शिष्टाचार नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। व्हाइट हाउस की राह में जब ठोस नतीजे नहीं मिले, तब यूरोप ने नयी उम्मीद के साथ नई दिल्ली का रुख किया है। सवाल यह है कि क्या भारत इस स्थिति का लाभ उठाकर स्वयं को वैश्विक शांति के निर्णायक सूत्रधार के रूप में स्थापित कर पाएगा?

- नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीएसटी में कटौती - एक बड़ा आर्थिक सुधार

एक जीवंत लोकतंत्र में तरह-तरह के सुधार उसे गतिमान बनाए रखते हैं और यह बात आर्थिक सुधारों पर भी लागू होती है। सरकार का लक्ष्य टैक्स वसूल कर अपना खजाना भरना नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता को राहत देना भी होना चाहिए। इस बजट सत्र में केन्द्र सरकार ने जहां इनकम टैक्स की दरें काफी घटाकर टैक्स देने वाली जनता को काफी राहत पहुंचाई, वहीं अब जीएसटी में कटौती की घोषणा करके उसकी क्रय शक्ति में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी का कदम उठाया है। 22 सितंबर से लागू होने वाली इस टैक्स व्यवस्था से आम जनता को काफी फायदा होगा क्योंकि अप्रत्यक्ष करें इनकम टैक्स के विपरीत सभी पर लागू होती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के मॉनसून सत्र में जीएसटी में कटौती के बारे में सूचित किया था और कहा था कि देश की जनता को यह दिवाली का उपहार होगा। लेकिन जीएसटी काउंसिल की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी की दरों में अच्छी खासी कटौती करके जनता को नवरात्रि का ही उपहार दे दिया। इस कटौती से सरकारों को 47700 करोड़ रुपए के राजस्व से हाथ धोना पड़ेगा, लेकिन टैक्स की दरें कम होने से अधिक खरीददारी होगी जिससे अंतत- राजस्व में बढ़ोतरी ही होगी। इतना ही नहीं, इतने बड़े पैमाने पर टैक्स की कटौती से मुद्रास्फीति पर भी असर होगा और इसमें 1.1 फीसदी तक की कमी भी आएगी। इससे खरीददारी बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था खपत आधारित है, न कि निर्यात आधारित। हमारे जीडीपी की दर पिछली तिमाही में 7 फीसदी से भी ज्यादा रही जो भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक सबक है।

अब इस गति को बनाए रखने में टैक्स कटौती का यह अभूतपूर्व कदम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीएसटी परिषद ने बुधवार को माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय टैक्स संरचना को मंजूरी दे दी। यह व्यवस्था 22 सितंबर से लागू होगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सभी राज्य दरों को युक्तिसंगत बनाने के पक्ष में हैं। यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। काउंसिल के फैसलों के अनुसार अब रोजमर्रा के सामान, खाने-पीने की वस्तुओं, कारों, ट्रकों, सीमेंट वगैरह जैसी चीजों पर टैक्स या तो खत्म कर दिया गया है या घटा दिया गया है। इससे ग्राहकों, खासकर मिडल क्लास को काफी फायदा होगा। कम टैक्स देने से वे कहीं ज्यादा खरीददारी कर सकेंगे। सीमेंट पर टैक्स घटने से रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आएगी। सर्विस सेक्टर जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है उसे भी सहारा मिलेगा। जीवन रक्षक दवाइयों पर टैक्स हटाकर काउंसिल ने बड़ा कदम बढ़ाया है। इसी तरह हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 प्रतिशत के भारी भरकम टैक्स को शून्य पर ले जाने से इसका जनता को तो फायदा होगा ही, बीमा क्षेत्र को भी लाभ होगा। वहां रोजगार

की संभावना बढ़ेगी क्योंकि भारत में अभी भी 30 फीसदी लोगों के पास ही बीमा है। शेष जनता किसी भी तरह के सुरक्षा कवच से वंचित है। बीमा पर जीएसटी में कटौती बहुत बड़ी राहत साबित होगा। ट्रांसपोर्ट और टूरिज्म ऐसे क्षेत्र हैं जो बड़ी तादाद में रोजगार देते हैं और इन पर टैक्स घटाकर इन्हें प्रोत्साहित किया गया है। इससे टूरिज्म और बढ़ेगा तथा सरकार को मिलने वाला टैक्स भी। प्री पेड तथा पोस्ट पेड मोबाइल सेवाओं पर टैक्स की दर घटने से कम आय के लोगों को राहत मिलेगी। इंटरनेट और डीटीएच की दरें घटने से युवा वर्ग को बहुत राहत होगी। यानी समाज के हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से मुद्रास्फीति की दर में 1.1 फीसदी की कमी आएगी। इस फैसले का स्वागत शेयर बाजार ने उछल कर किया और शुरुआती दौर में बीएसई सेंसेक्स 900 तथा निफ्टी 1 फीसदी बढ़कर 25000 के स्तर पर आ गया। निवेशक इस बड़े फैसले से खुश हैं। दरअसल बाजार में मांग की कमी दिख रही थी और यह देखते हुए कि भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है, यह कदम उत्साहवर्धक है। इस समय अर्थव्यवस्था को एक बूस्टर की जरूरत थी जो उसे मिल गया है। इससे खरीददारी बढ़ेगी और उसका असर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर पड़ेगा जो अंतत- रोजगार बढ़ाएगा। इससे अर्थव्यवस्था के प्रति निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। इनकम टैक्स में भारी छूट के बाद जीएसटी में बड़ी राहत न केवल महंगाई को नियंत्रित करेगी, बल्कि मिडल क्लास के खपत करने की क्षमता को बढ़ावा देगी। लोकतंत्र में टैक्स वसूली ही सब कुछ नहीं है। उसमें सुधार करना और उसे जनता के मनमाफिक बनाना जरूरी है। जीएसटी काउंसिल ने यह बड़ा कदम उठाकर आर्थिक सुधारों के प्रति अपनी आस्था जताई है। पिछले कुछ समय से जीएसटी में सुधार की मांग जोर-शोर से की जा रही थी और पक्ष तथा विपक्ष के सांसद भी मुखर हो रहे थे। दरअसल कुछ वस्तुओं पर टैक्स की दरों में विसंगति थी तो कुछ में अधिकता थी। मसलन दो तरह के सामान जो मिलकर एक उत्पाद होते हैं, उन पर अलग-अलग टैक्स दरें हैं।

यह कारोबारी के लिए एक परेशानी है। अगर हम भारत के एक पॉपुलर स्नैक 'बन मस्का' को देखें तो पाएंगे कि बन पर टैक्स की दर अलग है और मस्का यानी मक्खन पर अलग। अब व्यापारी किस दर से टैक्स लेगा? रेस्तरां में रोटी पर कम टैक्स है तो परांठे पर ज्यादा। बिना एसी वाले रेस्तरां के लिए अलग दर है तो एसी वाले के लिए अलग। खुले सामान पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट में आते ही उस पर टैक्स लगेगा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो जीएसटी की विसंगतियां बताती हैं। लेकिन अब नई घोषणा के बाद सभी तरह की विसंगतियां खत्म हो गई हैं। सरकार ने जीएसटी के जरिये कर संग्रह का जो लक्ष्य रखा था वह काफी हद तक पूरा हो गया है। पिछले पांच वर्षों में जीएसटी वसूली दुगनी हो चुकी है। 2024-25 में कुल जीएसटी वसूली 22.08 लाख करोड़ रुपए हो गई है जो 9.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। यह भी एक कारण है कि सरकार टैक्स में कटौती करने को तैयार हो गई है। अब सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कंपनियां, कारोबारी, दुकानदार, रेस्तरां मालिक टैक्स में कटौती का फायदा ग्राहकों को पहुंचाएं। पिछली बार यह देखा गया था कि इसका फायदा कई कारोबारी और कंपनियां खुद अपने सामानों या सेवाओं की कीमतें बढ़ाकर हड़प लेती हैं। अब यह नहीं होना चाहिए।

-मधुरेंद्र सिन्हा
स्वतंत्र लेखक

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि पुष्प वाटिका (फुलवारी), बाग और वन, जिनमें बहुत से पक्षियों का निवास है, फूलते, फलते और सुंदर पत्तों से लदे हुए नगर के चारों ओर सुशोभित हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बनइ न बरनत नगर निकाई। जहाँ जाइ मन तहँइँ लोभाई॥
चारु बजारु बिचित्र अँबारी। मनिमय बिधि जनु स्वकर सँवारी॥

नगर की सुंदरता का वर्णन करते नहीं बनता। मन जहाँ जाता है, वहीं लुभा जाता (रम जाता) है। सुंदर बाजार है, मणियों से बने हुए विचित्र छज्जे हैं, मानो ब्रह्मा ने उन्हें अपने हाथों से बनाया है॥

धनिक बनिक बर धनद समाना। बैठे सकल बस्तु लै नाना।
चौहट सुंदर गलीं सुहाई। संतत रहहिं सुगंध सिंचाई॥

कुबेर के समान श्रेष्ठ धनी व्यापारी सब प्रकार की अनेक वस्तुएँ लेकर (दुकानों में) बैठे हैं। सुंदर चौराहे और सुहावनी गलियाँ सदा सुगंध से सिंची रहती हैं॥

मंगलमय मंदिर सब केरें। चित्रित जनु रतिनाथ चितेरें॥
पुर नर नारि सुभग सुचि संता। धरमसील ग्यानी गुनवंता॥

सबके घर मंगलमय हैं और उन पर चित्र कढ़े हुए हैं, जिन्हें मानो कामदेव रूपी चित्रकार ने अंकित किया है। नगर के (सभी) स्त्री-पुरुष सुंदर, पवित्र, साधु स्वभाव वाले, धर्मात्मा, ज्ञानी और गुणवान हैं॥

(क्रमशः..)

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

जानसठ में बनेगा महर्षि कश्यप स्मारक, योगी सरकार ने दी 1 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुज़फ़्फ़रनगर/लखनऊ। योगी सरकार ने मुज़फ़्फ़रनगर जनपद को बड़ा तोहफ़ा देते हुए मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के कस्बा जानसठ में भगवान महर्षि कश्यप का भव्य स्मारक बनाने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक योजना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने 1 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्ताव पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिस पर सरकार ने सहमति जताते हुए बजट जारी कर दिया है।

जानसठ क्षेत्र पहले से ही धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष पहचान रखता है। महर्षि कश्यप स्मारक के निर्माण से यह स्थान न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पर्यटन की गतिविधियों से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार व व्यवसाय के अवसर बढ़ेंगे।

प्रदेश सरकार का यह निर्णय पिछड़े वर्ग और समाज की भावनाओं को सम्मान देने वाला कदम माना जा रहा है। स्मारक का निर्माण केवल एक संरचना न होकर सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित होगा। इससे आने वाली पीढ़ियाँ महर्षि कश्यप के आदर्शों, उनके जीवन दर्शन और समाज सुधार की परंपरा से प्रेरणा प्राप्त करेंगी।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मैं प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरे प्रस्ताव को स्वीकार कर महर्षि कश्यप स्मारक की स्थापना हेतु 1 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री की यह संवेदनशीलता समाज के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर लिए गए उनके निर्णयों को दर्शाती है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का भी विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्री के सहयोग और मार्गदर्शन से यह योजना मूर्त रूप ले रही है। पूर्व में भी यह परियोजना पर्यटन विभाग की सूची में दर्ज की जा चुकी थी और अब इसे जानसठ के शिव मंदिर के समीप विकसित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्मारक के निर्माण के बाद जानसठ न केवल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी विकास का सेतु सिद्ध होगा।

संपत्ति विवाद में बेटे ने की पिता की हत्या

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाले उदय नाम के युवक ने अपने पिता गौतम की रविवार सुबह हत्या कर दी। पिता का शव घर के अंदर लहूलुहान अवस्था मे मिला, शव के पास खून से सनी ईंट भी मिली।

बताया जा रहा है दोनों के बीच घर को लेकर आये दिन झगड़ा रहता था। दोनों शराब का सेवन करते थे।

दोनों के नशे में होने पर झगड़ा होने और इसी बीच चोट लगने से पिता की मौत होना बताया जा रहा है। पुलिस ने उदय को हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

राज्य कर विभाग ने दो करोड़ का माल पकड़ा, 73.31 लाख से अधिक का जुर्माना लगाया

ग्रेटर नोएडा। राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) की सचल दल प्रथम इकाई ने शुक्रवार रात जेवर टोल प्लाजा पर नोएडा से आगरा की ओर जाते समय एक ट्रक से करीब दो करोड़ रुपये के माल को बिना वैध दस्तावेज का पकड़ा है।

ट्रक में नेटवर्किंग उपकरण लदा था और इसे गुरूग्राम से लखनऊ ले जाया जा रहा था। जीएसटी विभाग की जांच में सामने आया कि क्रेडिट नोट में हरियाणा के ग्राहक का विवरण था, लेकिन जीएसटीआइएन, पैन या आधार कार्ड का उल्लेख नहीं था।

आगे की जांच में पता चला कि लखनऊ के व्यापारी ने माल को लैब टेस्टिंग के लिए गुरूग्राम भेजा था, लेकिन न तो माल भेजने और न ही वापसी का कोई प्रमाण प्रस्तुत किया गया। क्रेडिट नोट लखनऊ के व्यापारी द्वारा जारी था, लेकिन गुरूग्राम से लखनऊ तक माल परिवहन के लिए कोई वैध चालान या प्रपत्र नहीं थे।

जांच में स्पष्ट हुआ कि माल बिना वैध दस्तावेजों के ले जाया जा रहा था जो माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 का उल्लंघन है। विभाग ने नोटिस जारी कर 2,03,66,081 रुपये मूल्य के माल को जब्त किया और इस पर 73,31,789 रुपये का जुर्माना लगाया। जिसके बाद लखनऊ की फर्म ने राज्य कर विभाग के खाते में जुर्माने की राशि जमा कराकर वाहन समेत माल को छुड़ाया है।

अपर आयुक्त राज्य कर ग्रेड दो विवेक आर्य ने बताया कि यह कार्रवाई संयुक्त आयुक्त आलोक कुमार, संजय कुमार कुशवाहा की देखरेख में सहायक आयुक्त प्रियंका, राज्य कर अधिकारी राघवेंद्र विक्रम सिंह, प्रधान सहायक आशीष श्रीवास्तव और पुलिस बल के सहयोग से पूरी की गई।

पीरियड्स के दर्द से राहत देने वाली मातृ डिवाइस को मिला यूटिलिटी पेटेंट

जिम्स में 400 महिलाओं पर हुआ परीक्षण

ग्रेटर नोएडा। महिलाओं और युवतियों को माहवारी के दौरान होने वाले दर्द से राहत दिलाने वाली मातृ डिवाइस को भारत सरकार की ओर यूटिलिटी पेटेंट मिल गया है। इससे अब आगे आने वाले 20 वर्षों तक डिवाइस का उत्पादन, उपयोग करने और बेचने का विशेष अधिकार मिल गया है।

ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में डिवाइस के चल रहे तकनीकी परीक्षण के प्रकिया लगभग पूरी हो चुकी है, जल्द ही इसके परिणाम आने वाले हैं। यह जिम्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

दिल्ली के प्रगति मैदान पर आयोजित तीन दिवसीय इंडिया मेडटेक एक्सपो के फ्यूचर पवेलियन में जिम्स के चार स्टार्टअप को स्टाल के लिए सरकार की ओर से चुना गया था, जिसमें मातृ डिवाइस, मेदांत्रिक, ट्रोसा ड्रोन और प्रधान इनोवेशन लैब को शामिल किया गया था।

इसमें से मातृ डिवाइस को भारत सरकार ने यूटिलिटी पेटेंट दिया है। इसको कोलकाता के तीन युवाओं रोहन राय, रोनी मंडल व अमित दत्ता के स्टार्टअप सिलिफर्म ने विकसित किया है, जिसे कमर के आसपास लगाने से दर्द में 95 प्रतिशत तक राहत मिलेगी। इसको डिजाइन का पेटेंट पहले ही मिल चुका था। सरकार के अनुदान से इसकी कीमत भी काफी किफायती है।

डिवाइस को डिजाइन करने वाले युवाओं का कहना है कि नारी सशक्तीकरण की बात तो होती थी, लेकिन उनको मासिक धर्म के दौरान होने वाली होने वाली पीड़ा से निजात दिलाने की ओर किसी का ध्यान नहीं गया था।

जानकारी जुटाने पर पता चला कि कुछ महिलाएं व युवतियां दर्द से राहत पाने को दर्द निवारक गोलियों का सेवन करती हैं, जिससे कई साइड इफेक्ट्स जैसे उल्टी, चक्कर आना, आलस, खुजली या पसीना, अवसाद आदि होते हैं। प्रसूती विशेषज्ञ की निगरानी में इस डिवाइस का 400 महिलाओं पर परीक्षण किया गया था।

डिवाइस को गेट कंट्रोल थ्योरी के सिद्धांत पर डिजाइन और विकसित किया गया है। यह एक विशेष प्रकार के पैटर्न की फ्रीक्वेंसी भेजता है जो पेन सिग्नल को ब्लाक करता है, जिसके परिणामस्वरूप उपयोग करने वाले को दर्द कम महसूस होता है।

यह प्रति-जलन की तरह काम करता है। इसलिए मस्तिष्क विचलित होता है और दर्द को महसूस नहीं कर पाता है। सिग्नल दर्द के मार्ग को रोक देता है और मस्तिष्क दर्द को महसूस नहीं कर पाता है। यह छोटा (पोर्टेबल) और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है जिसका उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर भी किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पल्स पोलियो ड्यूटी के बाद भी वेतन नहीं, सीएम से शिकायत

ग्रेटर नोएडा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर भारी पड़ रही है। पल्स पोलियो अभियान में ड्यूटी करने वाली करीब 750 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आठ महीने बाद भी वेतन नहीं मिला है।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने वेतन दिलाने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि शासन से बजट तो मिला, लेकिन जिम्मेदारों ने समय पर पैसा नहीं दिया, जिससे मार्च में बजट वापस चला गया।

दरअसल, पिछले साल 8 दिसंबर 2024 से एक सप्ताह के लिए पल्स पोलियो अभियान चलाया गया था। इसमें जिले की करीब 750 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाया गया था। प्रत्येक कार्यकर्ता को जितने दिन उसने ड्यूटी की, उतने दिन का वेतन 75 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मिलना है।

लगभग सभी कार्यकर्ताओं ने एक सप्ताह तक ड्यूटी की। इस हिसाब से हर कार्यकर्ता को औसतन छह सौ रुपये मिलने हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बैंक खातों में राशि का भुगतान करने की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी की थी।

अभियान समाप्त होने के आठ दिनों के भीतर राशि का भुगतान किया जाना था। जो फिलहाल आठ महीने बाद भी नहीं हो पाया है। एक सितंबर को महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने फिर से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर बकाया राशि के भुगतान की गुहार लगाई।

संघ के जिला प्रभारी एचएस निमेश का आरोप है कि शासन से बजट तो उपलब्ध हो गया, लेकिन सीएमओ कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारी भुगतान करने में टालमटोल करते रहे। तब तक मार्च में वित्तीय वर्ष समाप्त होने के कारण राशि शासन को वापस कर दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण उन्हें अभी तक वेतन नहीं मिला है।

महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने 17 जनवरी 2025 से अब तक 11 बार अधिकारियों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बकाया राशि के भुगतान की गुहार लगाई है। इसमें एक अगस्त को मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव चिकित्सा, महानिदेशक चिकित्सा को भेजा गया प्रार्थना पत्र शामिल है।

इसके अलावा अलग-अलग तिथियों में जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसील संपूर्ण समाधान दिवस आदि में दिए गए प्रार्थना पत्र शामिल हैं।

मनोज बाला, मछला सिंह, संगीता चौधरी, कुंता मावी, निकहत जहाँ, सुमन देवी, संगीता रानी, ??सुनीता देवी, अफसाना, रजनीबाला, निधि, संजू, हुस्न बानो, मछला सिंह, ओमवती, शशि, समीक्षा शर्मा, उषा, सविता देवी, शारदा देवी, सारिका, बबीता, गीता और राजकुमारी सहित अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बकाया भुगतान की मांग की है।

ट्रक चालक को नशा सुंघा कर 86 हजार लूटे

नोएडा। थाना क्षेत्र में धनारी थाना क्षेत्र ई-रिक्शा में सवार ट्रक चालक को सवारी बनकर बैठे युवक ने नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश किया। बाद में उसके पास 64 हजार रुपये और मोबाइल उड़ा लिया। इसके बाद सात बार में मोबाइल द्वारा यूपीआई के माध्यम 22 हजार से अधिक की धनराशि ट्रांजेक्शन कर निकाल ली है। थाना जुनावई पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

धनारी थाना क्षेत्र के गढ़ी विचौला गांव के रहने वाले आजम अली ट्रक चलाते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को तड़के तीन बजे अपने गांव जाने के लिए जुनावई कस्बे के पतरिया चौराहे पर आकर रुके और अपने गांव जाने के लिए सवारी गाड़ी का इंतजार करने लगे। तभी एक लाल रंग का ई-रिक्शा आकर रुका। चालक ने आजम अली को गांव तक छोड़ने की बात करते हुए ई-रिक्शा में बैठा लिया। ई-रिक्शा में एक युवक पहले से ही सवार था।

ई-रिक्शा चालक और अज्ञात युवक ने बिचौला मोड़ पर आजम अली के मुंह पर एक रुमाल रख दिया। जिससे आजम अली बेहोश हो गए। ई-रिक्शा चालक आजम अली को सड़क किनारे फेंक कर उसकी जेब में रखे 64 हजार रुपये तथा मोबाइल को निकाल कर ले गए।

साथ ही आजम अली को नशा होने पर आरोपियों ने मोबाइल में फिंगर लगाकर लॉक खोल लिया और बाद में सात बार में यूपीआई के माध्यम से 22160 रुपये की धनराशि निकाल ली। लुटेरे ट्रक चालक को वहीं सड़क किनारे फेंक गए। लोगों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने पीड़ित का उपचार कराया है। थाना प्रभारी मेघपाल सिंह ने बताया आनलाइन के माध्यम से धनराशि निकलने की जांच की जा रही है। इस संबंध में अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारत का महिला एशिया कप हॉकी में शानदार आगाज

थाईलैंड को 11-0 से हराया

हांगझोउ (चीन)। उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को थाईलैंड को 11-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए। इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुताजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे। वर्तमान में विश्व में नौवें स्थान पर काबिज भारत ने 30वें स्थान पर काबिज थाई टीम के खिलाफ पूल बी के मैच में हाफ टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। इस टूर्नामेंट में 8 टीमें भाग ले रही हैं जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। दोनों पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर 4 की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। भारत इस टूर्नामेंट में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और शीर्ष ड्रैग फ्लिकर दीपिका के बिना उतरा है। यह दोनों चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रही है। एशिया कप विजेता टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी। थाईलैंड के बाद भारत अब शनिवार को जापान से भिड़ेगा। इसके बाद वह पूल चरण के अपने अंतिम मैच में आठ सितंबर को सिंगापुर का सामना करेगा।

यूपी टी-20 को फिक्स करने की कोशिश

काशी रुद्रास टीम के मैनेजर को 50 लाख का ऑफर

लखनऊ। लखनऊ के इकाना में चल रही टी-20 क्रिकेट लीग को मैच फिक्स करने की कोशिश का मामला सामने आया है। काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन को 50 लाख रुपये का ऑफर सट्टेबाजों ने दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम के जरिए मैनेजर से संपर्क किया गया। सट्टेबाजों ने उन्हें टीम के खिलाड़ियों की मदद से मालामाल होने का ऑफर दिया। मैनेजर अर्जुन ने इसकी सूचना क्षेत्रीय भ्रष्टाचार निरोधक टीम के मैनेजर को दी। इसके बाद बड़ी ही चालाकी से सट्टेबाज से चैट करके उससे कुछ जानकारियां जुटाकर टीम को इनपुट भी दे दिया। पुलिस ने भी केस दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है। इस मामले में जयपुर राजस्थान के हरदयाल सिंह (क्षेत्रीय प्रबंधक भ्रष्टाचार निरोधक इकाई व टी-20 लीग लखनऊ के प्रबंधक) ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मोबाइल नंबर और इंस्टा आईडी के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त को रात करीब 11:12 बजे काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन चौहान ने बताया कि उनसे एक व्यक्ति ने इंस्टा ग्राम पर vipss_nakrani ने संपर्क किया। सट्टेबाज ने मैनेजर से टीम के साथ मिलकर सट्टा खिलवाने का ऑफर देते हुए 50 लाख रुपये का लालच दिया। बोला का भुगतान आनलाइन अमेरिकी डालर से करुंगा। टीम को सट्टे के लिए तैयार करो। मैनेजर से मिली जानकारी के बाद ट्रैप टीम ने सट्टे बाज के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए कहा।मैनेजर ने सट्टेबाज से मोबाइल पर संपर्क करने को कहा। इसके बाद उसने व्हाट्सएप पर आडियो काल की। उसे रिकार्ड कर लिया गया। कुछ अन्य जानकारियां भी जुटाई गई। मैनेजर के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एसीपी गोसाईगंज को लिखित तहरीर दी गई। इसके बाद नंबर और आईडी के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सट्टेबाज को काशी रुद्रा टीम की लोकेशन तक पता थी। सट्टेबाज ने मैनेजर अर्जुन से यह तक बताया कि टीम रेनेशां होटल में रुकी है। मैच जैसे ही शुरू होगा मेरा आदमी ग्राउंड में पहुंच जाएगा। सट्टेबाज ने बताया कि एक करोड़ रुपये लेकर वह ग्राउंड में बैठा रहेगा। आप मेरे मुताबिक चलेंगे तो वहीं पर वह 50 लाख रुपये आपको देगा।

BCCI ने की भारतीय टीम की जर्सी प्रायोजन की दरों में बढ़ोतरी

प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए देने होंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी को अब प्रायोजित करना और महंगा हो जाएगा क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए दाम प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) द्वारा स्वीकृत और आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ये आंकड़े मौजूदा दरों से थोड़े ज्यादा हैं। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। यह बदलाव ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के आने के बाद 'ड्रीम 11' के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद हुआ है। सरकार द्वारा हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम 2025 के बाद BCCI ने भारतीय टीम के प्रमुख प्रायोजक ड्रीम 11 का अनुबंध रद्द कर दिया। यह संशोधन आगामी एशिया कप के समाप्त होने के बाद ही लागू होगा। BCCI को हालांकि 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। बोली के परिणाम के आधार पर अंतिम आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से प्रभावी होंगी। BCCI संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं। BCCI की एक विज्ञप्ति में कहा गया, 'बोली लगाने वाले (जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है) को भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और

'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं'

अमित मिश्रा ने संन्यास के बाद बेबाकी से की बात

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया। पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा। इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एक विशेष साक्षात्कार में मिश्रा ने कहा, 'यह बहुत निराशाजनक था। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, कभी नहीं। बेशक, यह निराशाजनक है, और इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर आपको याद आता है कि आपका सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हैं, और लाखों लोग वहां पहुंचने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हैं। इसलिए, मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की।' प्रतिभा के बावजूद मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर रहना मानसिक रूप से कठिन था। उन्होंने आगे कहा, 'जब भी मैं निराश होता था, मैं सोचता था कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कड़ी मेहनत से कभी पीछे नहीं हटा।'

मिश्रा ने विभिन्न कप्तानों द्वारा गेंदबाजों के अपने पसंदीदा चयन के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आपको बस जब भी मौका मिले खुद को साबित करना होता है। जैसा कि मैंने कहा, ये चीजें मायने नहीं रखतीं। कभी-कभी कोई खिलाड़ी जो आपसे बेहतर प्रदर्शन करता है, उसे ज्यादा पसंद किया जाता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन करने लगते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।' उन्हें आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना हमेशा ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता था। मिश्रा ने कहा, 'जब भी मैंने किसी जाने-माने भारतीय खिलाड़ी का विकेट लिया, मुझे गर्व महसूस हुआ। वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, युवराज सिंह, गौतम गंभीर या विराट कोहली जैसे खिलाड़ी - ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी पल खेल का रुख बदल सकते हैं। आप अपने कौशल से किसी विदेशी खिलाड़ी को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को आप अच्छी तरह जानते हैं। जब आप उनका विकेट लेते हैं, तो आपको एक अलग, बहुत सकारात्मक एहसास होता

T20 ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचा पाकिस्तान

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में टी20 एशिया कप 2025 से पहले एक टी20 ट्राई सीरीज खेली जा रही है, जिसमें मेजबान यूएई के अलावा पाकिस्तान और अफगानिस्तान की टीम है। इस टी20 ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों का ऐलान हो गया है। शारजाह में जारी इस टी20 ट्राई सीरीज के आखिरी मैच से पहले इस बात का फैसला हो गया है कि मेजबान टीम इस त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में मेजबान यूएई की टीम नहीं पहुंच पाएगी, क्योंकि टीम चार में से तीन मैच हार चुकी है, जबकि पाकिस्तान ने 3 और अफगानिस्तान की टीम ने दो मैचों में जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अफगानिस्तान की टीम का एक और लीग मैच यूएई के खिलाफ है, जिसका असर फाइनल की रेस पर नहीं पड़ने वाला, क्योंकि यूएई की टीम अगर जीत भी जाएगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि टीम फाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है, जबकि अफगानिस्तान की टीम पहले ही फाइनल में है। पाकिस्तान की टीम ने जैसे ही यूएई के खिलाफ जीत दर्ज की, वैसे ही अफगानिस्तान को भी फाइनल का टिकट मिल गया। पाकिस्तान की टीम को सिर्फ एक मैच में हार मिली है, जो अफगानिस्तान के खिलाफ था। अब अफगानिस्तान के ही सामने फिर से पाकिस्तान की टीम होगी। ऐसे में ये मुकाबला बहुत ज्यादा दिलचस्प होगा। वहीं, अगर बात पाकिस्तान और यूएई के बीच खेले गए लीग फेज के पांचवें मुकाबले की बात करें तो इसमें पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फखर जमान के दमदार अर्धशतक के दम पर 5 विकेट खोकर 20 ओवर में 171 रन बनाए थे। यूएई के सामने फाइनल की रेस में बने रहने के लिए 172 रनों का लक्ष्य था, लेकिन टीम 140 रनों तक ही पहुंच पाई।

मयंक काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल शेष काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए यॉकर्शायर के साथ छोटी अवधि के अनुबंध पर जुड़ेंगे। समरसेट के खिलाफ 8 सितंबर को होने वाले मुकाबले से पहले अग्रवाल के यॉकर्शायर के साथ जुड़ने की उम्मीद है और 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए भारत लौटने से पहले वह कुल तीन मुकाबले खेलेंगे। इससे पहले वह कर्नाटक के महाराजा टी20 ट्रॉफी का हिस्सा थे। वहीं उन्हें IPL में देवदत्त पड्क्किल के विकल्प के तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने अपने दल में शामिल किया था। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को इंग्लैंड का अनुभव है। अग्रवाल 2021-22 के दौरे और 2023 के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के भारतीय दल के हिस्से के रूप में इंग्लैंड की यात्रा कर चुके हैं। 2021-22 के दौरे पर अग्रवाल भारत के लिए पारी की शुरुआत करने के दावेदार थे लेकिन उन्हें सीरीज के पहले मैच से पहले चोट लग गई जिसके चलते वह बाहर हो गए। अग्रवाल दो बार ए टीम के साथ भी इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं। कर्नाटक के सभी प्रारूपों के कप्तान अग्रवाल के पास प्रथम श्रेणी का काफ़ी अनुभव है। उन्होंने 180 पारियों में 43.98 की औसत, 18 शतक और 44 अर्धशतकों के साथ 8050 रन बना चुके हैं। अग्रवाल ने भारत के लिए 36 टेस्ट पारियों में 41.33 की औसत और चार शतकों की बदौलत 1488 रन बनाए हैं जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 243 रनों की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने अपना सबसे हालिया टेस्ट फरवरी 2023 में श्रीलंका के ख़िलाफ बेंगलुरु में खेला था। अग्रवाल के इतर खलील अहमद (एसेक्स), तिलक वर्मा (हैम्पशायर), युजवेंद्र चहल (नॉर्थम्पटनशायर), इशान किशन (नॉटिंघमशायर) और साई किशोर (ससेक्स) यूके घरेलू सीजन में खेल चुके हैं। जयदेव उनादकट इस महीने ससेक्स के साथ जुड़ने वाले हैं।

27 साल बाद इंग्लैंड की सरजमीं पर साउथ अफ्रीका का करिश्मा

टेम्बा बावुमा की टीम ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली टीम साउथ अफ्रीका ने गुरुवार 4 सितंबर को लंदन के लॉर्ड्स में इतिहास रच दिया। टेम्बा बावुमा पिछले 27 साल के इतिहास में पहले ऐसे साउथ अफ्रीकी कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में जाकर वनडे सीरीज जीती है। करीब तीन दशक का सूखा टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली टीम ने समाप्त किया है। कुछ ही महीने पहले साउथ अफ्रीका की टीम ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में ही आईसीसी ट्रॉफी जीतने का भी सूखा समाप्त किया था, जब इंग्लैंड में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया की टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में धूल चटाई थी। साउथ अफ्रीका की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त पहले दो मैच जीतकर बना ली है। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 85 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स के बल्ले से भी अर्धशतक आया। इसी के दम पर 330 रनों तक साउथ अफ्रीका की टीम पहुंची और इंग्लैंड की टीम 325 रन बना सकी और मैच 5 रनों के अंतर से हार गई। इस मुकाबले को जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज भी जीत ली, क्योंकि पहला मैच भी साउथ अफ्रीका ने ही जीता था। साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड में आखिरी बार 1998 में एकदिवसीय सीरीज जीती थी, जब उन्होंने एडम हॉलिओके की टीम को 2-1 से हराया था। उस समय साउथ अफ्रीका की टीम के कप्तान हैंसी क्रोन्जे थे। इस मौजूदा जीत से पहले वे 2008, 2012, 2017 और 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत नहीं पाए हैं। साउथ अफ्रीका ने 1994 में टेक्साको ट्रॉफी हारी, 1998 में जीती, 2008 की नेटवेस्ट सीरीज में हार झेली, 2012 की नेटवेस्ट सीरीज ड्रॉ रही, 2017 में फिर से साउथ अफ्रीका को हार मिली। 2022 में सीरीज ड्रॉ रही और अब 2025 की सीरीज जीत ली है।

6 साल पहले चैंपियन बनी इंग्लैंड का वनडे में बुरा हाल

2023 विश्व कप के बाद से गंवाई 5वीं सीरीज

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मैच में 5 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इंग्लैंड का द्विपक्षीय सीरीज हारने का सिलसिला अब भी खत्म नहीं हुआ। 2023 वनडे विश्व कप के बाद से इंग्लैंड ने 6 द्विपक्षीय सीरीज खेले हैं और सिर्फ एक जीत सकी है। इंग्लैंड ने जून में वेस्टइंडीज को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से रौंदा था लेकिन उसके बाद एक बार फिर इंग्लैंड की टीम ने लय खो दी और सीरीज गंवा दी है। साउथ अफ्रीका ने जारी सीरीज का पहला मैच 7 विकेट से जीता था। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने 2019 में वनडे विश्व कप का खिताब जीता था। उसके बाद से टीम ने अगले वनडे विश्वकप (2023) तक कुल सात वनडे सीरीज जीती लेकिन पिछले वनडे विश्व कप के बाद से इंग्लैंड का वनडे में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। टीम ने 6 द्विपक्षीय सीरीज खेली है और सिर्फ एक में जीत हासिल कर सकी है। इंग्लैंड को वेस्टइंडीज से 2 और भारत से एक बार हार का सामना करना पड़ा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने उसे एक बार धोया है और अब दक्षिण अफ्रीका ने भी उसे धूल चटाई है। इंग्लैंड की टीम ने 22 वनडे मैच खेलते हुए सिर्फ सात मैच जीते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने दो मैच जीते हैं। इसके दौरान उनकी जीत का प्रतिशत 31.8 रहा है। विश्व कप 2023 के बाद से फुल मेंबर टीमों में केवल बांग्लादेश और जिम्बाब्वे का जीत प्रतिशत इंग्लैंड से कम है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहद खराब है।

महिला वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया ने किया स्क्वाड का ऐलान

मिचेल स्टार्क की पत्नी होंगी टीम की कप्तान

नई दिल्ली। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का आगाज 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने वाला है। इसके लिए अब डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने दल की घोषणा कर दी है। बता दें कि स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हेली वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करती हुई नजर आएंगी। ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड काफी ज्यादा गजब का नजर आ रहा है। वे अपने टाइटल को डिफेंड करने के लिए उतरेंगी। 2022 में ऑस्ट्रेलिया ने महिला वर्ल्ड कप जीता था, उस वर्ल्ड कप टीम के 15 में से 10 खिलाड़ी इस बार भी स्क्वाड में शामिल हैं। एलिसा हेली, एलिस पेरी, बेथ मूनी जैसे सभी स्टार खिलाड़ी इस बार भी वर्ल्ड कप में नजर आने वाले हैं। इसमें कोई दोहराय नहीं कि ऑस्ट्रेलिया इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने के लिए फेवरेट मानी जा रही है।

क्रिकट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर शॉन फेग्लर ने कहा, 'भारत में वर्ल्ड कप खेलना सबसे बड़ा असाइमेंट होता है। लेकिन, हम अपनी टीम पर इस बड़े चैलेंज के लिए भरोसा करते हैं। जो अनुभव इस स्क्वाड ने पिछले कुछ सब कॉन्टिनेंट के दौरे और महिला प्रीमियर लीग खेलकर हासिल किया है, उससे मुश्किल भारतीय कंडीशंस को समझने में आसानी होगी।'

महिला वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का शेड्यूल

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने वर्ल्ड कप के अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 अक्टूबर को मैच खेलकर करेगी। इसके बाद 4 अक्टूबर को उनका मैच श्रीलंका से होगा। फिर 8 अक्टूबर को वे पाकिस्तान से भिड़ेंगे। इसके बाद 12 अक्टूबर को उनका मैच भारत के साथ होना है। 16 अक्टूबर को महिला वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश से भिड़ेगी। फिर 22 अक्टूबर को इंग्लैंड तो 25 अक्टूबर साउथ अफ्रीका से ऑस्ट्रेलिया का सामना होगा।

वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हेली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वारहैम।

100-100 रुपये में मिल रहे वर्ल्ड कप के टिकट

ये है इतिहास का ICC का सबसे सस्ता ग्लोबल टूर्नामेंट

नई दिल्ली। Women's Cricket World Cup 2025 के लिए गुरुवार 4 सितंबर को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने टिकटों की बिक्री शुरू कर दी है। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि वुमेंस वर्ल्ड कप आईसीसी का सबसे सस्ता ग्लोबल इवेंट बन गया है, क्योंकि वर्ल्ड कप के मैचों की टिकट की कीमत 100 रुपये (1.14 US डॉलर) से शुरू होती है। आईसीसी तमाम ग्लोबल इवेंट्स मेंस और वुमेंस कैटेगरी में कराती है, लेकिन इतनी कम कीमत किसी भी इवेंट्स के टिकटों की नहीं रही। 4 सितंबर से प्री-सेल 4 दिन के लिए शुरू की है, जो रिकॉर्ड लो प्राइस पर है। 2022 में ICC महिला क्रिकेट विश्व कप खेला गया था, जो न्यूजीलैंड में आयोजित हुआ था। पिछले संस्करण के लिए बच्चों के टिकटों की प्राइस 7 न्यूजीलैंड डॉलर यानी करीब साढ़े 350 रुपये या 4.45 यूएस डॉलर थी, जबकि वयस्कों के लिए सबसे कम टिकट 17 NZD थी, जो 850 रुपये या 10 यूएस डॉलर के बराबर है, जो वर्तमान विश्व कप टिकट की कीमत से साढ़े आठ गुना ज्यादा है। बता दें कि भारत और श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। 30 सितंबर को गुवाहाटी में वुमेंस वर्ल्ड कप का उद्घाटन मैच खेला जाएगा और इससे करीब चार सप्ताह पहले टिकटों की बिक्री आईसीसी की ओर से शुरू कर दी गई है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण में आठ टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें सह-मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीम शामिल है। सभी टीमें राउंड रोबिन फॉर्मेट में मुकाबला खेलेंगी। हर टीम को बाकी सात टीमों से एक-एक मैच में भिड़ना होगा। पॉइंट्स टेबल में टॉप की चार टीमें सेमीफाइनल में भिड़ेंगी और फिर सीधे फाइनल होगा, जो 2 नवंबर को आयोजित होगा।

सुंदरी सिल्क मुंबई में आयोजित करेगी 'साड़ियों का मेला'

मुंबई। चेन्नई स्थित कपड़ा कंपनी सुंदरी सिल्क 7 और 8 सितंबर, 2025 को मुंबईवासियों के लिए 'साड़ियों का मेला' आयोजित कर रही है। यह दो दिवसीय आयोजन कैश - द आर्ट एंड क्राफ्ट्स गैलरी, बांद्रा पश्चिम में सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में भारतीय वस्त्रों की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। पारंपरिक कांजीवरम सिल्क साड़ियाँ, विशेष दुल्हन के परिधान, साथ ही कांची कॉटन, माहेश्वरी और प्रिंटेड कॉटन की विविध किस्में उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही, ग्राहक आकर्षक रेडीमेड परिधान और चांदी के 'अथिराष्टम' आभूषणों की एक विशेष श्रृंखला भी देख सकेंगे, जो इस प्रदर्शनी को भारतीय कला और शिल्प कौशल का एक सच्चा उत्सव बना देगा। प्रदर्शनी के बारे में बात करते हुए सुंदरी सिल्क के मैनेजिंग पार्टनर मनमोहन राम ने कहा कि मुंबई ने हमेशा प्यार और सम्मान के साथ हमारा स्वागत किया है और हमें शहर में एक बार फिर 'साड़ी मेला' आयोजित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह प्रदर्शनी सिर्फ़ कपड़ों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि हमारी विरासत, कला और हथकरघा साड़ियों के शाश्वत आकर्षण का उत्सव है। हम मुंबई में अपने ग्राहकों से फिर से जुड़ने और सुंदरी सिल्क की हर रचना के पीछे की कहानियों को उनके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

अनिल अंबानी-आरकॉम की मुश्किलें बढ़ीं

एसबीआई और बीओआई के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने फ्रॉड घोषित किया

नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के बाद अब बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी के ऋण खाते को फ्रॉड के रूप में वर्गीकृत कर दिया है। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार उन पर इस कार्रवाई के लिए एक दशक से पहले दिए गए ऋणों के कथित दुरुपयोग का हवाला दिया गया है। आरकॉम ने कहा कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से 2 सितंबर को एक पत्र मिला है जिसमें कंपनी और उसके प्रवर्तक अनिल

अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने के निर्णय की जानकारी दी गई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। आरकॉम की ओर से नियामकीय फाइलिंग में जारी बैंकों के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। पत्र में कहा गया है, ₹इस खाते को 5 जून 2017 से गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।₹ आरकॉम नियंत्रण और अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है। हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा ने पत्र में कहा है कि वर्तमान में एनसीएलटी की ओर से अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना अस्तित्व में नहीं है।

उतार-चढ़ाव के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सपाट बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली

बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद अपरिवर्तित बंद हुए। तेल व गैस और ऑटो शेयरों में बढ़त की भरपाई आईटी और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट से हो गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक या 0.01 प्रतिशत गिरकर 80,710.76 अंक पर बंद हुआ। इसके 14 शेयर लाभ में तथा 16 नुकसान में रहे। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में, सूचकांक बढ़त के साथ खुला, लेकिन देर सुबह के कारोबार में लाल निशान में फिसल गया। दोपहर के सत्र में यह 80,321.19 के निचले स्तर पर पहुंच गया, लेकिन बंद होने से पहले के सत्र में इसमें गिरावट कम हुई। दिन के उच्चतम और निम्नतम स्तर के बीच सूचकांक 715.37 अंक ऊपर-नीचे हुआ।

11 सितंबर को खुलेगा एयरफ्लो रेल टेक्नोलॉजी लिमिटेड का IPO

मुंबई। एयरफ्लो रेल टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एयरफ्लो, कंपनी) भारतीय रेलवे द्वारा उपयोग किए जाने वाले रोलिंग स्टॉक के घटकों के निर्माण में लगी हुई है। कंपनी 11 सितंबर 2025 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने का प्रस्ताव रखती है, जिसका उद्देश्य 91.10 करोड़ जुटाना है, और इसके शेयर BSE SME प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इश्यू का आकार 65,07,000 इक्विटी शेयर है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रत्येक है, और कीमत सीमा 133 से 140 प्रति शेयर है। IPO से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग मशीनरी और उपकरण की खरीद के लिए पूंजीगत व्यय, हमारी कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधार के एक हिस्से की पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के

लिए किया जाएगा। एंकर हिस्सा बुधवार, 10 सितंबर 2025 को खुलेगा और इश्यू सोमवार 15 सितंबर 2025 को बंद होगा। एयरफ्लो रेल टेक्नोलॉजी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर वेंकटेशन दक्षिणामूर्ति ने कहा कि दो दशकों से अधिक समय में बनाए गए मजबूत आधार और 37,588.65 लाख के मजबूत ऑर्डर बुक के साथ, एयरफ्लो रेल टेक्नोलॉजी इस प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से अपनी विकास की अगली PHASE में कदम रखने के लिए तैयार है।

अजय पीरामल ने अनंत के नए संकाय और स्नातक आवास का किया अनावरण

मुंबई। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष श्री अजय पीरामल ने 1 सितंबर 2025 को यूनिवर्सिटी नेतृत्व के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में अहमदाबाद में अनंत के नवीनतम भवन, संकाय और स्नातक आवास का उद्घाटन किया। यह आयोजन अनंत समुदाय के सदस्यों को एक जीवंत जीवन अनुभव प्रदान करने की यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रशंसित ऋषभ पारेख डिज़ाइन स्टूडियो (आरपीडीएस) द्वारा डिज़ाइन की गई इस नवनिर्मित सुविधा का निर्मित क्षेत्रफल 26,475 वर्ग मीटर है और इसमें स्टूडियो अपार्टमेंट और 1, 2 और 3 बीएचके घरों सहित 172 अपार्टमेंट शामिल हैं। यह एक सच्चा घर-से-दूर-घर जैसा है, जिसे बारीकी से और सावधानी से तैयार किया गया है। इस आवास में सोच-समझकर डिज़ाइन किए गए कॉमन स्पेस, एक व्यायामशाला, योग कक्ष, कैफ़े और एक आगंतुक लाउंज भी है। सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए यह आवास सभी कॉमन एरिया में सीसीटीवी निगरानी से सुसज्जित है और अनंत की समर्पित सुरक्षा टीम द्वारा चौबीसों घंटे निगरानी की जाती है।

श्रीप्रकाश केडिया फिर बने भारत मर्चेंट्स चेम्बर के ट्रस्टी

मुंबई। श्रीप्रकाश केडिया को 2025-28 आगामी तीन वर्षों के लिए भारत मर्चेंट्स चेम्बर की वार्षिक साधारण सभा में चेम्बर का पुनः ट्रस्टी चुना गया है। केडिया चेम्बर के अध्यक्ष रह चुके है। व उन्हें आर्बिट्रेशन व कानून का जानकार माना जाता है। इस समय वो सेंट्रल रेलवे की सलाहकार समिति में भी है।

अमेजन ने एक्सियो का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली

अमेज़न ने यह घोषणा की है कि उसने भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) से नियामक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद भारत में अग्रणी डिजिटल ऋण और चेकआउट वित्त प्रदाता, एक्सियो (पहले कैपिटल फ्लोट) का अधिग्रहण पूर्ण कर लिया है। भारत में अमेज़न के सबसे बड़े अधिग्रहणों में से एक इस अधिग्रहण की बदौलत भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं के विस्तार के लिए अमेज़न की प्रतिबद्धता को और मज़बूती मिली है। एक्सियो के साथ अमेज़न की मौजूदा साझेदारी भी है, जिसकी बदौलत छह वर्षों से अधिक समय से भारत में अमेज़न पे के लिए अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें सेवाएं दी जा रही हैं।

टेक इन्फ्लुएंसर प्रोग्राम लॉन्च

कंटेंट क्रिएटर्स को ऑनलाइन शॉपिंग में वृद्धि का फायदा उठाने में सक्षम बनाने के लिए अमेज़न इंडिया ने आज अपने टेक इन्फ्लुएंसर प्रोग्राम (TIP) को लॉन्च करने की घोषणा की है।

इस प्रोग्राम के ज़रिए, अमेज़न सभी आकार के कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसे टूल्स और संसाधन उपलब्ध करवाएगा, जिनसे वे ऐसा कंटेंट बना सकें जो ग्राहकों को स्मार्टफ़ोन, लैपटॉप, कैमरा आदि उत्पादों की खरीदारी में मदद करे। नई दिल्ली में आयोजित अमेज़न बेस्ट इन टेक अवार्ड्स में इस प्रोग्राम की घोषणा हुई। यह प्रोग्राम क्रिएटर्स को अपने फॉलोअर्स के लिए खरीदारी को आसान बनाने के साथ-साथ अपने कंटेंट से कमाई करने में मदद करेगा।

टॉप फेस्टिव ट्रेंड्स पेश

त्योहारी सीज़न शुरू होते ही ग्राहक अपने जश्न के तरीकों को नए सिरे से सोच रहे हैं— ऐसे स्मार्ट और प्रीमियम चुनाव कर रहे हैं जो हर लुक को पर्सनल, स्टाइलिश और आकर्षक बनाते हैं। स्टेटमेंट मिनी बैग्स और फाइन ज्वेलरी से लेकर टेक-स्मार्ट लगेज तक, प्रीमियम फैशन इस सीज़न के 'मस्ट-हैव' बन गए हैं। अमेज़न फैशन ग्राहकों को शानदार मूल्य, भरोसेमंद सुविधा और तेज़ डिलीवरी के साथ ग्लोबल और घरेलू ब्रांड्स का विस्तृत, क्यूरेटेड चयन उपलब्ध कराते हुए इस बदलाव को सक्षम बना रहा है ताकि पूरे भारत के ग्राहक त्योहारी सीज़न को आसानी, आत्मविश्वास और स्टाइल के साथ मना सकें।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में इंडस टावर्स ने दी गति

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनियों में से एक, इंडस टावर्स लिमिटेड ने अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम 'सक्षम' और 'प्रगति' के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1.73 मिलियन से अधिक जीवनों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी की सीएसआर रणनीति भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और स्किल इंडिया के साथ गहराई से जुड़ी हुई है तथा यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में भी सार्थक योगदान देती है।

नीतीश कुमार ने चुनाव से पहले स्पष्ट कर दी सरकार की प्राथमिकता

- लालू- तेजस्वी के प्लान को लगेगा झटका

पटना

बिहार प्रगति के पथ पर लगातार अग्रसर है। वर्ष 2005-2006 से एनडीए की सरकार लगातार काम कर रही है। पूर्व की सरकार 34 हजार करोड़ की बजट बनाती थी। हमारी सरकार तीन लाख 16 हजार करोड़ की बजट बनाती है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि हमारी सरकार कितनी काम कर रही है ताकि सूबे के लोग समृद्ध हो सकें। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पालीगंज के सिकरिया गांव में शुक्रवार को कही। वे यहां सिकरिया में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण करने पहुंचे थे।

हेल्थ सेक्टर में काम

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पीएमसीएच को पांच हजार 462 बेड क्षमता वाला अस्पताल बना दिया गया है। वहीं आईजीआईएमएस की बेड क्षमतातीन हजार तथा एनएमसीएच को ढाई हजार बेड क्षमता वाला अस्पताल बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ने कुछ विशेष भवनों का भी निर्माण कराया है। उसमें जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास, तीन अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, दो अन्य पिछड़ा वर्ग आवासीय विद्यालय के अलावा सरकार ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र, बिहार म्यूजियम, सरदार पटेल भवन, पटना कलेक्ट्रेट, अंजुमन इस्लामिया भवन व बापू टावर जैसे भवनों का निर्माण कराया है।

मुस्लिम वोटरों पर भी नजर

मुसलमानों की सुविधा के लिए कब्रिस्तानों को घेराबंदी वर्ष 2006 में ही करा दी गई थी। वर्ष 2016 में एनडीए की सरकार ने साठ वर्ष से अधिक पुराने मंदिरों और मठों की भी घेराबंदी करा दी है। पालीगंज विधानसभा का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के पालीगंज में एएनएम स्कूल सह छात्रावास, खिरीमोड़ में सरकारी आईटीआई, दुल्हिन बाजार में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना के अलावा पाली-अकबरपुर एवं दुल्हिन बाजार-नौबतपुर सड़क की चौड़ीकरण का काम कराया गया है। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र में 216 ग्रामीण सड़कों व दो पुलों का निर्माण कराया गया है। साथ ही इस इलाके में एक ग्रिड उपकेन्द्र, चार पावर सबस्टेशन व तीन कृषि फीडर स्थापित किए जा चुके हैं।

पालीगंज का विकास

पालीगंज विधानसभा के दुल्हिन बाजार प्रखंड में किसानों के हित में चार हजार पईन का जीर्णोद्धार कराया गया है। उन्होंने कहा कि पालीगंज क्षेत्र के विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 32 महत्वाकांक्षी योजनाओं की स्वीकृति भी दी जा चुकी है। इनमें कुछ पर काम शुरू भी हो चुका है।समदा में पुनपुन नदी पर समदा को गुलरिया बिगहा से जोड़ने के लिए पुल निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस पुल के बन जाने से अरवल, जहानाबाद और पटना जिले के कई गांव आपस में जुड़ जाएंगे।

बीड़ी पर सुलगी बिहार की सियासत, तेजस्वी का रिएक्शन आया

तारिक अनवर ने दी गजब की सफाई

पटना

B से बीड़ी और B से बिहार वाले केरल कांग्रेस के पोस्ट पर राज्य की सियासी पारा हाई हो गया है। बीजेपी, जदयू और हम पार्टी की आलोचना के बाद कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने सफाई दी है तो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी बिहारी अस्मिता से खिलवाड़ पर आपत्ति जताई है। बताया जा रहा है कि उस पोस्ट को पार्टी की ओर से डिलिट कर दिया गया है।

जीएसटी सुधार के बाद केरल कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक बीड़ी वाला पोस्ट क्या आया, चुनाव वाले बिहार में सियासत सुलग गई। एनडीए के सभी दल कांग्रेस पर हमलावर हो गए। जेडीयू ने बिहारी स्वाभिमान के बहाने तेजस्वी यादव को भी लपेटना शुरू कर दिया। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने भी प्रतिक्रिया दी

है। पटना मे पत्रकारों ने उनसे कांग्रेस के पोस्ट पर सवाल पूछा तो अनभिज्ञता जता दी। कहा कि हमने उस पोस्ट को नहीं देखा है। लेकिन, यह कहने से भी पीछे नहीं हटे कि बिहार के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ करना किसी के लिए सही नहीं है। अपने छोटे से बयान में तेजस्वी यादव ने कांग्रेस पार्टी को साफ संदेश दे दिया।

इधर पुराने कांग्रेसी तारिक अनवर ने कहा कि बिहार में चुनाव है। कांग्रेस की ओर से ऐसा बयान नहीं आ सकता। उन्होंने कहा कि केरल कांग्रेस का अकाउंट हैक किया गया है। कोई भी पॉलिटिकल आदमी ऐसा बयान नहीं दे सकता। उन्होंने यह भी कहा कि वे केरल कांग्रेस के नेताओं से इस बारे में बात करेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवादित पोस्ट के लिए केरल कांग्रेस की ओर से माफी मांग ली गयी है।

दरअसल जीएसटी रिफॉर्म्स में बीड़ी पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि सिगरेट और सिगार पर बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। इसे लेकर केरल कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल पर बी से बीड़ी और बी से बिहार वाला पोस्ट आया था।

7 स्टेशनों पर ट्रेन कोच में खुलेंगे लग्जरी रेस्टोरेंट

महाराजा एक्सप्रेस जैसी फीलिंग आएगी

सहरसा। बिहार के 7 रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन के कोच में लग्जरी रेस्टोरेंट खोले जाएंगे। इनमें ग्राहकों को महाराजा एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेन वाली फीलिंग आएगी। सहरसा स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने के लिए टेंडर फाइनल हो गया है। दरभंगा, समस्तीपुर, रक्सौल, नरकटियागंज, मोतिहारी और बेतिया स्टेशन पर रेस्टोरेंट के लिए फिजिबिलिटी देखी जा रही है। सहरसा में नए अमृत भारत स्टेशन भवन परिसर में वातानुकूलित रेल कोच रेस्टोरेंट खुलेगा। यहां रेस्टोरेंट

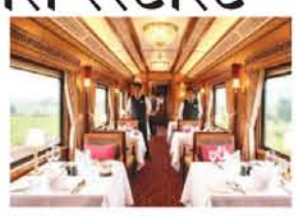

निर्माण के लिए गरीब रथ एक्सप्रेस के पुराना कोच लिया जाएगा। जगह का चयन कर लिया गया है। सहरसा स्टेशन पर 7 साल के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट का आवंटन किया गया है, जिससे रेलवे को 42 लाख रुपये का राजस्व मिलेगा। रेल कोच रेस्टोरेंट की सुविधा देने का रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को लजीज भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ नॉन फेयर राजस्व प्राप्त करना है।

भूमिहार के दो नेताओं के बीच खिंची तलवारें!

वर्चस्व की जंग में सबकी निगाहें CM नीतीश कुमार पर टिकी

जहानाबाद

पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार का जदयू में शामिल होने का प्लान फिलहाल तो टलता दिख रहा है। कारण भी अब राजनीतिक गलियारों में सर चढ़ के बोल रहा है। कहा जा रहा है कि जदयू की भूमिहार राजनीति में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह एको अहं, द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति! के पथगामी हैं। ऐसे में एक तेज तर्रार पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार का जदयू में शामिल होना आसान नहीं है। अभी जदयू में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का सिक्का चलता है। गत दिनों अनंत सिंह उर्फ छोटे सरकार और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन के बीच जो हुआ

वह कुछ कम संकेत भी नहीं हैं।

राजनीतिक गलियारों की माने तो इन दोनों भूमिहार नेता में बड़ा नेता कौन? यह जंग वर्षों से चल रहा है।सांसद डॉ. अरुण कुमार कहते हैं कि राजनीति में मैं सीनियर हूं। मैं 1992 में स्नातक क्षेत्र से एमएलसी बन गए। वर्ष 1999 के चुनाव में अरुण कुमार जनता दल (यू.) के टिकट पर राष्ट्रीय जनता दल उम्मीदवार को हराने में कामयाब रहे। 2004 के चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के गणेश प्रसाद यादव ने अरुण कुमार को हराया। 2014 के मोदी लहर में डॉ. अरुण कुमार एनडीए की सहयोगी आरएलएसपी के टिकट पर यहां से दूसरी बार जीतने में कामयाब रहे। वर्तमान केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह यूं तो जेपी आंदोलन से ही सक्रिय रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर के करीबी भी रहे। एमएलसी 2014 में बने। पर ये पहली बार चौदहवीं व पंद्रहवीं लोकसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। फिलहाल तो वे नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में मंत्री हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफी करीबी माने जाते हैं। नीतीश कुमार ने इन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनाया। बिहार की राजनीति में एक लोकोक्ति अक्सर सुनने की मिलती है कि वामन, कुत्ता, हाथी, जाति के नहीं साथी।

15 सितंबर से पूर्णिया से अहमदाबाद की फ्लाइट

स्टार एयर ने टिकट बुकिंग शुरू की

पूर्णिया

बिहार के पूर्णिया एयरपोर्ट से अहमदाबाद की फ्लाइट 15 सितंबर से शुरू हो रही है। विमानन कंपनी स्टार एयर ने इसकी घोषणा कर दी है। पूर्णिया और अहमदाबाद के बीच विमान सेवा की टिकट बुकिंग भी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को ही पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इस दिन स्टार एयर की फ्लाइट दोपहर सवा 12 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी और 2.45 बजे पूर्णिया हवाई अड्डा पर लैंड करेगी। वहीं, पूर्णिया से यह फ्लाइट दोपहर में 3.15

बजे अहमदाबाद के लिए रवाना होगी। पूर्णिया से अहमदाबाद का फ्लाइट किराया 5800 रुपये से शुरू है। स्टार एयर इस रूट पर शुरुआत में सप्ताह में तीन दिन उड़ान संचालित करेगा। पूर्णिया से हर सोमवार, मंगलवार और गुरुवार को अहमदाबाद के लिए फ्लाइट मिलेगी। 15 सितंबर को उद्घाटन स्पेशल के रूप में यह उड़ान संचालित होगी।

पटना में फोम फैक्ट्री में भीषण आग

- लपटें और धुएं का गुबार देख मची अफरातफरी
- दमकल की टीम बुझाने में जुटी

पटना

बड़ी खबर राजधानी पटना से आई है जहां एक फोम फैक्ट्री में भीषण आग लगी है। आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई है। कई थानों की पुलिस और दमकल की टीम आग बुझाने में जुट गई है। पटना के फतुहा इलाके की घटना है। आग से जानमाल के नुकसान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन बड़े नुकसान की आशंका है। आग से निकले धुएं का गुबार इतना ऊंचा है कि देखकर लोगों की चीखें निकल रही है। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई है। बताया जा रहा है कि गैस वेल्डिंग मशीन से निकली चिनगारी से आग लगी। आग की भयावहता

से आस पास के लोग काफी डरे हुए हैं। फतुहा थाना के दोस्त मोहम्मदपुर की घटना है। आग की लपटें और धुएं का गुबार भयावह है। फतुहा के अलावे कई थानों की पुलिस पहुंच गई है। बचाव कार्य में स्थानीय लोग भी सहयोग कर रहे हैं। फोम की फैक्ट्री होने की वजह से आग तेजी से फैल गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड की 9 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम जारी है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर अभी तक नहीं मिली है। इस घटना से फैक्ट्री को काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने से लाखों रूपए की क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की टीम ने 15 लोगों का रेस्क्यू किया है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दो किलोमीटर दूर से ही दिख रही थी। फैक्ट्री के कर्मियों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। फोम के कारण आग तेजी से फैल गई।

गर्लफ्रेंड के लिए बीवी से हैवानियत

पति ने पत्नी का गला काटा, रॉड से मारकर सिर भी फोड़ा

सीतामढ़ी

बिहार के सीतामढ़ी जिले के बेला परिहार थाने के गुरहारी गांव में प्रेमिका के चक्कर में एक युवक ने पत्नी की गला रेतकर हत्या का प्रयास किया। महिला को गंभीर हालत में एसकेएमसीएच में इलाज चल रहा है। डॉक्टर ने फिलहाल मरीज को खतरे से बाहर बताया है। उसके सिर पर रॉड से हमला कर फोड़ दिया। आरोपी पति कांड को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। रविवार की घटना के बाद सीतामढ़ी

से पीड़िता को एसकेएमसीएच लाया गया था। गुरुवार को जब पीड़िता कुंती देवी (22) बोलने लायक हुई तो मेडिकल ओपी पुलिस के समक्ष बयान दर्ज कराया। उसने पुलिस को बताया कि राजन पासवान से उसकी पांच साल पूर्व शादी हुई थी। उसकी ढाई साल की एक बेटी भी है।

पति राजन चेन्नई में काम करता है। उसका पड़ोसी गांव की एक मुस्लिम युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसका वह विरोध करती रही है।

नालंदा में प्रिंसिपल के पति का सुसाइड

मामा और दोस्त ने रुपये नहीं लौटाए, 1 करोड़ का कर्ज था

बिहारशरीफ

बिहार के नालंदा जिले में एक सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल के पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना लहेरी थाना क्षेत्र के भैंसासुर मोहल्ला में गुरुवार देर रात की है। मृतक की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव निवासी भोला पासवान के 35 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार उर्फ सज्जू के रूप में हुई है। वर्तमान में वह भैंसासुर मोहल्ले में एक किराए के मकान में रहता था। उसकी पत्नी सरकारी स्कूल में प्राचार्य है। सुजीत पर करीब 1 करोड़ रुपये का कर्ज हो गया था। उसने अपने मामा और

एक दोस्त को लाखों रुपये उधार दिए थे, मगर उन्होंने नहीं लौटाए। इससे वह परेशान चल रहा था। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। नोट में सुजीत ने अपने मामा और एक दोस्त पर रुपये लेकर वापस नहीं करने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है, शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया गया है।

मृतक के साले सुधीर कुमार ने बताया कि जुलाई महीने में अपने मामा पर भरोसा कर सुजीत ने मकान निर्माण के लिए 50 से 60 लाख रुपये दिए थे। लेकिन, मामा ने धोखे से गलत जमीन दिलवाकर उसी पैसे से अपने नाम मकान लिखवा लिया और फरार होकर गुजरात चला गया। इसके अलावा, सुजीत ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक दोस्त को 15 लाख रुपये उधार दिए थे। वह दोस्त फिलहाल दिल्ली सचिवालय में नौकरी कर रहा है, मगर उसने भी रुपये लौटाए।

अनंत चतुर्दशी पर विधि विधान के साथ गणपति का विसर्जन

हर साल बड़े ही धूम-धाम के साथ चतुर्थी तिथि पर बप्पा का आगमन होता है। इसी उत्साह व उल्लास के साथ गणेश जी की विदाई भी की जाती है। इस कामना के साथ की अगले बरस बप्पा फिर से दर्शन दें व कृपा बनाए रखें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी का विसर्जन करना सबसे उत्तम माना जाता है। इस साल अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर के दिन है। भाद्रपद माह में गणेश उत्सव दस दिनों तक मनाया जाता है, जिसका अंत अनंत चतुर्दशी के दिन होता है। आइए जानते हैं अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन का शुभ मुहूर्त और विधि-

कब है अनंत चतुर्थी ?

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ – सितम्बर 06, 2025 को 05 :42 ए एम बजे
अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) – 01 :03 पी एम से 05 :36 पी एम
सायाह्न मुहूर्त (लाभ) – 07 :07 पी एम से 08 :36 पी एम
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) – 10 :05 पी एम से 02 :32 ए एम, सितम्बर 07 है
चतुर्दशी तिथि समाप्त – सितम्बर 07, 2025 को 04 :11 ए एम बजे

गणेश विसर्जन विधि

सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ वस्त्र धारण करें। पूजा घर की साफ-सफाई करें। बप्पा का जलाभिषेक करें। प्रभु को पीला चंदन लगाएं। पुष्प, अक्षत, दूर्वा और फल चढ़ाएं। धूप और घी के दीपक से आरती करें। गणेश जी को मोदक का भोग लगाएं। अंत में क्षमा प्रार्थना करें इसके बाद शुभ मुहूर्त में गाजे बाजे के साथ बप्पा का विसर्जन करें।

घर-ऑफिस में लाफिंग बुद्धा रखने से पहले जान लें ये जरूरी नियम

पैसों से भरी रहेगी आपकी जेब

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई शास्त्र में कई ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है जो जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाती हैं। कहा जाता है कि घर-ऑफिस में फेंगशुई की चीजें रखने से घर में सकारात्मकता का संचार होता है साथ ही जीवन में सौभाग्य आता है। इन्हीं में से एक है लाफिंग बुद्धा बहुत। कहा जाता है कि घर में लाफिंग बुद्धा रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और खुशहाली आती है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में लाफिंग बुद्धा घर-ऑफिस में फेंगशुई रखने से घर आफिस में सकारात्मकता का संचार होता है। आज हम इसके बारे में और भी कुछ बताएंगे।

वास्तु के अनुसार लॉफिंग बुद्धा रखने के नियम

लाफिंग बुद्धा की मूर्ति को मुख्य द्वार के सामने कम से कम 30 इंच की ऊंचाई पर लगाया जाना चाहिए। लगाए जाने के लिए आदर्श ऊंचाई 30 इंच से अधिक और साढ़े बतीस इंच से कम होनी चाहिए। मूर्ति की नाक गृह स्वामी के दोनों हाथों की उंगलियों के बराबर, यानी कम से कम आठ अंगुल का होना चाहिए और अधिकतम ऊंचाई घर की मालिकन के हाथ की नाप से सवा हाथ के बराबर होनी चाहिए।

मुख्य द्वार के सामने रखी हुई मूर्ति का चेहरा मुख्य द्वार के सामने ही होना चाहिए। जैसे ही द्वार खुले सबसे पहले वही मूर्ति दिखे। इस बात का ध्यान रखें कि लाफिंग बुद्धा की मूर्ति को रसोई, डायनिंग रूम या बेडरूम में नहीं रखना चाहिए। साथ ही इसकी पूजा भी नहीं की जानी चाहिए।

गिफ्ट में मिला लाफिंग बुद्धा माना जाता है अधिक शुभ

वास्तु की मानें तो कभी भी लाफिंग बुद्धा अपने पैसों से नही खरीदना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि खुद के पैसों से खरीदे गए लाफिंग बुद्धा से शुभ फल नहीं मिलता है। इसलिए इसे कभी भी खुद के पैसों से न खरीदें। वास्तु के अनुसार गिफ्ट में लाफिंग बुद्धा मिलना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। साथ ही ये आर्थिक समस्याओं को भी दूर करता है।

सौभाग्य संग आरोग्य से भी जुड़ा है बेलपत्र

शिवलिंग पर चढ़ाने से पहले जानें इसके बड़े लाभ

सनातन परंपरा में भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जो सिर्फ पानी और पत्ते को चढ़ाने मात्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं। यही कारण है कि उनके भक्त उन्हें शीघ्र प्रसन्न करने के लिए पवित्र गंगा जल लाकर चढ़ाने के लिए कोसों दूर की कांवड़ यात्रा करते हैं, तो वहीं उसके साथ उनका प्रिय बेलपत्र भी चढ़ाते हैं। देवों के देव महादेव को न सिर्फ बेल का फल बल्कि बेलपत्र भी बहुत ज्यादा प्रिय है। जिस बेलपत्र को सनातन परंपरा में सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है, उसका संबंध अच्छी सेहत से भी जुड़ा है। आइए सौभाग्य और आरोग्य के इस पावन पत्ते के बारे में विस्तार से जानते हैं।

बेलपत्र से मिलेगा अच्छी सेहत का वरदान

जिस बेलपत्र को शिव पूजा में चढ़ाने से सुख-सौभाग्य का वरदान मिलता है वह आपकी सेहत के लिए भी बहुत ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। आयुर्वेद के अनुसार भगवान शिव की पूजा में प्रयोग लाए जाने वाला बेलपत्र तमाम शारीरिक कष्ट को दूर करके आरोग्य दिलाने का काम करता है। बेलपत्र को पीसकर निकाले गये रस से ततैया के काटे हुए स्थान पर लगाने से जलन कम होती है तो वहीं इससे बना काढ़ा बुखार को कम करने से लेकर हृदय और सांस से जुड़े रोग में काफी लाभप्रद माना गया है। इसी प्रकार बेलपत्र को चबाने से जहां मुंह के छाले दूर होते हैं तो वहीं यह पेट के कीड़े को खत्म करने में काफी लाभप्रद माना गया है। जिस बेलपत्र को हर दिन खाली पेट खाने मात्र से दिल और पेट संबंधी तमाम तरह के मर्ज दूर होते हैं, उसकालाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य की सलाह पर ही इसका उचित मात्रा में सेवन करना चाहिए।

बेलपत्र का धार्मिक महत्व

हिंदू मान्यता के अनुसार यदि कोई भक्त पूरे श्रावण मास भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र अर्पित करता है तो उसकी बड़ी से बड़ी मनोकामना भगवान शिव जल्दी पूरी कर देते हैं। मान्यता है कि यदि कोई शिव भक्त बेल के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान शिव का अभिषेक करता है तो वह सभी पापों से मुक्त होकर अक्षय पुण्य को प्राप्त करता है। इसी प्रकार शिव पूजा में यदि बेलपत्र पर सफेद चंदन सेॐ लिखकर महादेव को अर्पित करता है और उसे प्रसाद मानकर अपने धन स्थान पर रखता है तो उसके आर्थिक संकट दूर होते हैं। मान्यता यह भी है कि यदि कोई श्रावण के महीने में कच्चे दूध में बेलपत्र को डुबोकर शिवलिंग पर अर्पित करता है तो शिव कृपा से उसे शीघ्र ही संतान सुख प्राप्त होता है। इस तरह देखें तो सभी कामनाओं को पूरा करने के साथ बेलपत्र सौभाग्य और आरोग्य दिलाता है।

क्या तौलिये से फैल सकता है दाद?

जानें बरसात के मौसम में Ringworm से बचाव के उपाय

बरसात का मौसम भले ही सुहावना होता है,लेकिन इस मौसम में स्किन संबंधित कई ऐसी समस्याएं होने लगती हैं जो तेजी से एक दूसरे में फैल सकती हैं। दाद भी एक ऐसा ही फंगल इंफेक्शन है जिस पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो यह शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकता है। इतना ही नहीं घर के बाकी सदस्य भी दाद की समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। आइए जानते में दाद से बचने के तरीके और घर के सदस्यों में दाद को फैलने से रोकने के उपाय।

दाद बार बार क्यों होता है?

दाद त्वचा की एक ऐसी बीमारी है जो भारतीयों में कॉमन है। मानसून के मौसम में ह्यूमिडिटी ज्यादा होने के कारण दाद होने का खतरा बढ़ जाता है। दाद एक फंगल इंफेक्शन है जो एक बार होने के बाद दोबारा भी हो सकता है। दाद पैर, हाथ, गर्दन और शरीर के प्राइवेट पार्ट के आस पास भी हो सकता है। ये संक्रमण तेजी से फैलता है, ऐसे में अगर साफ सफाई का ख्याल न रखा जाए तो ये बार बार भी हो सकता है।

क्या तौलिये से दाद हो सकता है?

कई बार लोग नहाने के बाद तौलिये को कमरे में ही सुखाते हैं, अगर आप भी ऐसा करते हैं तो बंद कर दीजिए। बरसात के मौसम में यही तौलिया आपको एक्जिमा, दाद, रैशेज और अन्य स्किन संबंधित बीमारियां दे सकती है। उमस के मौसम में बैक्टीरिया आसानी से गीली तौलिया पर पनपने लगते हैं ऐसे में उसी तौलिये को इस्तेमाल करने से दाद की समस्या फैल सकती है।

दाद से बचाव के तरीके

नहाने के बाद हमेशा तौलिया धूप में सुखाएं और 2 दिन में इसे जरूर धोएं। मानसून के मौसम में इंफेक्शन से बचने के लिए कॉटन के ढीले साफ कपड़े पहनें। दाद से संक्रमित व्यक्ति का तौलिया, कपड़े और कंघी घर के बाकी सदस्य इस्तेमाल न करें। रिंगवर्म जैसे इंफेक्शन से बचने के लिए खुद को साफ रखें और दाद को न छुएं।

बालों को मजबूत बनाना है

तो आज ही डाइट में शामिल करें ये हेल्दी ड्रिंक्स

बालों को मजबूत बनाने के लिए केवल ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ही काफी नहीं है। हेल्दी बालों के लिए पौष्टिक डाइट लेना भी जरूरी है। ऐसी डाइट जो बालों को पोषण दे। ऐसे में बालों को मजबूत बनाने के लिए आप कुछ हेल्दी ड्रिंक्स भी ले सकते हैं। इससे आप बालों से जुड़ी समस्याओं जैसे हेयरफॉल आदि से भी बच पाएंगे। बाल की ग्रोथ के लिए भी ये जूस बहुत फायदेमंद है। इसमें पालक और गाजर आदि जैसे जूस शामिल हैं। आइए जानें हेल्दी बालों के लिए आप कौन से ड्रिंक्स ले सकते हैं।

पालक से बना जूस

पालक का जूस प्रोटीन से भरपूर होता है। इसमें बायोटीन भी अधिक मात्रा में होता है। इस जूस में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स होता है। ये बालों की ग्रोथ को बढ़ाता है। इससे बालों के झड़ने और टूटने की परेशानी दूर होती है।

खीरे से बना जूस

खीरे में विटामिन ए होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये जूस शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालते हैं। इससे शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद मिलती है। खीरे का जूस बालों और स्किन को फायदे पहुंचा है।

आंवला जूस

आंवला जूस विटामिन सी भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये बालों को मजबूत और घना बनाता है। ये जूस भी शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालता है। इससे आप बॉडी को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचा पाते हैं।

एलोवेरा जूस

बहुत से ब्यूटी प्रोडक्ट्स में एलोवेरा का इस्तेमाल लोकप्रिय रूप से किया जाता है। एलोवेरा का जूस भी बालों को मजबूत बनाता है। ये स्किन को हेल्दी बनाने का काम करता है। इससे स्किन पर नेचुरल निखार आता है। इससे बालों की ग्रोथ तेजी से बढ़ती है।

कीवी जूस

कीवी का जूस विटामिन ई से भरपूर होता है। ये भी बालों को मजबूत बनाता है। कीवी का जूस बालों को लंबा और घना बनाता है। इसके साथ ही इस जूस से आपकी सेहत को भी फायदे मिलते हैं। ये आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

गाजर से बना जूस

गाजर के जूस में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये बालों को तेजी से बढ़ाते हैं। ये बालों को सफेद होने से रोकने का काम करते हैं।

कांच की प्लेन चूड़ियां महिलाओं की पहली पसंद

कांच की प्लेन चूड़ियां महिलाओं की पहली पसंद होती हैं। इन्हें किसी भी तरह से सेट लगाकर पहना जा सकता है। आप एक्ट्रेस सुरभि ज्योति की तरह सिंपल तरह से भी ग्रीन कांच की चूड़ियां पहन सकती हैं।

कांच की प्लेन चूड़ियां महिलाओं की पहली पसंद होती हैं। इन्हें किसी भी तरह से सेट लगाकर पहना जा सकता है। आप एक्ट्रेस सुरभि ज्योति की तरह सिंपल तरह से भी ग्रीन कांच की चूड़ियां पहन सकती हैं। सिर्फ ग्रीन चूड़ियां न पहननी हो तो रेड के साथ सेट लगाएं। वहीं कुंदन के कंगन आपके चूड़ी सेट में चार चांद लगा देंगे। इस तरह के सेट को आप शादियों जैसे फंक्शन में भी पहन सकती हैं, सबकी निगाहें आपके सेट पर ही टिक जाएंगी।

चूड़ियां पहनने में असहजता रहती है या फिर कुछ हल्का ट्राई करना चाहती हैं तो ग्रीन सिंपल स्टोन या फिर एमरॉल्ड की ब्रेसलेट ट्राई करें। रूपाली गांगुली की तरह ये साड़ी के साथ या फिर आप इसे वेस्टर्न ड्रेस के साथ भी कैरी कर सकती हैं। आजकल बाजार में मेटल की चूड़ियां काफी ट्रेंड में चल रही हैं। इनकी खासियत ये होती है कि टूटने का डर भी नहीं रहता

और आप इसे ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ ही वेस्टर्न या इंडोवेस्टर्न में भी पेयर कर सकती हैं। तो इस सावन ग्रीन कलर की मेटल की चूड़ियां पहने।

हरे लाख में जड़े हुए कुंदन के कंगन बेहद खूबसूरत लगते हैं। अगर आपको हल्का लेकिन क्लासी लुक चाहिए तो लाख में जड़े हुए हरे कंगन पहनें, इससे आपको रॉयल लुक मिलेगा। आपको सूट या फिर लाइट वेट साड़ी के साथ चूडियां सेट करनी हैं तो ग्रीन कलर की बेलवेट वर्क चूड़ी काफी अच्छी लगेंगी। आजकल इस पैटर्न की चूडियां ट्रेंड में भी हैं। आप चाहें तो साथ में कंगन का सेट भी लगा सकती हैं।

दूध के साथ मखाना खाने के हैं कई फायदे

चौंक जाएंगे आप

मखाने में फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस अधिक मात्रा में होता है। आमतौर पर लोग मखाने को सूखा भूनकर खाते हैं। वहीं व्रत के दौरान लोग फलाहार पर मखाना खाना पसंद करते हैं क्योंकि इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और एनर्जी बनी रहती है। लेकिन क्या आपने कभी मखाने को दूध में उबालकर खाया है? अगर नहीं तो आज हम आपको बताएंगे कि दूध में पकाए गए मखाने का सेवन करने से क्या फायदे होते हैं-

मखाने में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इन्हें खाने से टाइप 2 डायबिटीज में फायदा मिलता है। अपनी डाइट में मक्खन को शामिल करके आप इस गंभीर समस्या से बच सकते हैं। इसके अलावा मखाने में उच्च फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराएगा। आप बार-बार खाने से बचेंगे। इससे आपके बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। यह आपके पाचन को भी स्वस्थ रखता है। दूध में पकाए गए मखाने का सेवन करने से आपकी हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। त्वचा और बाल स्वस्थ और चमकदार बनते हैं।

सुबह उठते ही दिख रहे ये लक्षण तो समझ जाएं हो गया है डायबिटीज

सुबह उठने के बाद शरीर में होने वाली बहुत सारी एक्टीविटी बॉडी के हेल्दी और अनहेल्दी होने का लक्षण होती है। जिन पर ध्यान दिया जाए तो काफी सारी बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है। इन बीमारियों में डायबिटीज भी शामिल है। डायबिटीज की बीमारी इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से हो जाती है। जिसका पता सुबह के समय आसानी से लगाया जा सकता है। अगर आपकी बॉडी में इस तरह के लक्षण दिख रहे हैं तो फौरन डायबिटीज का टेस्ट करवा लें। जिससे पता चल सके।

सुबह दिखते हैं ये लक्षण

सुबह के समय लीवर ब्लड शुगर रिलीज करता है। जिससे कि बॉडी दिनभर एक्टिव बनी रहे। डायबिटीज के रोगियों में सुबह के समय इसीलिए हाई ग्लूकोज लेवल का पता चलता है। जिसकी वजह से ये लक्षण दिखते हैं। मुंह का सूखापन (पानी पीने के बाद भी प्यास लगती है), गला सूखना, पेशाब लगना(जबकि रातभर कई बार यूरिनेशन के लिए गए हों), धुंदळापन, कमजोरी लगना, बहुत तेजी से भूख लगना,

डायबिटीज में दिखने लगते हैं ये लक्षण

बहुत सारे लोगों को डायबिटीज का चेकअप कराने से पहले ही ऊपर लिखे लक्षण दिखने लगते हैं। साथ ही ये लक्षण भी दिखने लगते हैं।

स्किन में बार-बार फंगल इंफेक्शन हो जाना, फोड़ा या फुंसी हो जाना, थकान लगना, बहुत ज्यादा प्यास लगना

इसके अलावा दिखते हैं ये संकेत

कमजोरी, भूख लगना और आंखों में धुंधलेपन के साथ ही डायबिटीज में ये लक्षण भी दिखते हैं। जिन्हें देखने के बाद समय रहते डायबिटीज का चेकअप करवाकर सही दवाओं और परहेज को जरूर शामिल कर लें। स्किन ड्राई होना, घाव का जल्दी ना भरना, बहुत ज्यादा प्यास, बालों का झड़ना, बार-बार इंफेक्शन हो जाना, उल्टी होना, चक्कर आना, पेट में दर्द, उल्टी महसूस होना शामिल हैं।

ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज तक का रखता है ख्याल काला टमाटर

आपने आज तक हरा, लाल टमाटर तो कई बार देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी काले टमाटर के बारे में सुना है? जी हां सब्जी का स्वाद बढ़ाना हो या खूबसूरती में लगाने हो चार चांद, लाल टमाटर का इस्तेमाल घरों में कई तरह से किया जाता है। लेकिन बात अगर काले रंग के टमाटर की करें तो ये आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। काले रंग के टमाटर को अंग्रेजी में इंडिगो रोज टोमेटो कहा जाता है। जिसे उगाने का श्रेय रे ब्राउन को जाता है। इस टमाटर की खासियत यह है कि इस टमाटर को जेनेटिक म्यूटेशन के द्वारा बनाया गया है।

इतने रंग बदलता है काला टमाटर-

यूं तो काला टमाटर भी बाकी रंग के टमाटरों की ही तरह उगाया जाता है। लेकिन इसके बदलते रंग की प्रक्रिया इसे बाकी टमाटरों की तुलना में खास बना देती है। सबसे पहले ये टमाटर हरा रंग का होता है,जो धीरे-धीरे लाल, नीला और फिर उसके बाद काला हो जाता है। आप जब इस टमाटर को काटकर देखते हैं तो इसके अंदर का गूदा लाल टमाटर की तरह की लाल होता है। हालांकि इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व लाल टमाटर की तुलना में काफी ज्यादा होते हैं।

काले रंग के टमाटर के फायदे

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल-

काले टमाटर में प्रोटीन, विटामिन ए, सी, मिनरल्स और कई तरह के एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो यह टमाटर आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। यह शरीर में शुगर की मात्रा को कंट्रोल में रखने में मदद कर सकता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में कारगर

काले टमाटर में विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। जिसका सेवन करने से आंखों की सेहत बनी रहती है। काला टमाटर आपकी आंखों को स्वस्थ रखने के साथ उनकी रोशनी भी बढ़ाने में मदद करता है।

दिल की सेहत

काला टमाटर खाने से दिल का दौरा पड़ने के चांस कम हो जाते हैं। इसमें एंथोसाइनिन पाया जाता है जो आपको हार्ट अटैक से बचाए रखने में मदद करता है। नियमित रुप से काले टमाटर का सेवन दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम कर देता है।

वेट कंट्रोल-

काले टमाटर में अच्छे कोलेस्ट्राल की मात्रा काफी ज्यादा होती है। जो वेट लॉस में भी मदद कर सकती है। अगर आप मोटापे से परेशान हैं तो अपनी डाइट में काले टमाटर को शामिल करें।

शाह रुख खान का 'King' लुक हुआ लीक

एक्टर को इस अवतार में देख क्रेजी हुए फैंस

शाह रुख खान और सुहाना बहुत जल्द फिल्म किंग में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इस मूवी को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है और ये हाई ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर फिल्म होने वाली है। फिल्म की कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है लेकिन छोटी-मोटी जानकारी और कास्ट के बारे में मिले इनपुट के बाद से फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं।

रेडिट पर वायरल हो रहा लुक

अब मूवी से शाह रुख का रेडिट पर एक लुक वायरल हो रहा है। एक रेडिट यूजर ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें भूरे बालों वाला एक आदमी मैकडॉनल्ड्स से बाहर निकल रहा है। तस्वीर को बहुत ज्यादा जूम इन किया गया है लेकिन पहचान में आ रहा है कि वो व्यक्ति शाह रुख ही है। रेडिट यूजर का दावा है कि ये तस्वीर शाह रुख के किंग लुक की है। तस्वीर में शूटिंग में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय क्रू भी दिखाई दे रहा है, जिससे अटकलों को बल मिला है।

कौन-कौन से स्टार्स आएंगे नजर?

फिल्म की कहानी को लेकर कोई खास जानकारी नहीं है लेकिन फिर भी ये अपनी स्टार कास्ट और नेक्स्ट लेवल एक्शन को लेकर चर्चा में है। शाह रुख का रेड चिलीज एंटरटेनमेंट इस प्रोड्यूस कर रहा है। वहीं सुहाना इस फिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके अलावा मूवी में अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी भी शामिल हैं।

आलिया भट्ट ने जाहिर की कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश

आलिया भट्ट की जिंदगी मां बनने के बाद काफी बदल गई है, इस बात का असर उनकी फिल्मों की च्वाइस पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। ऐसा वह अपनी बेटी के लिए करना चाहती हैं।

ऐसी कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं, जिसे बेटी राहा देख सके

ग्राजिया (Grazia) मैगजीन से की गई बातचीत में आलिया भट्ट ने अपने फ्यूचर फिल्म प्रोजेक्ट का जिक्र किया है। आलिया चाहती हैं कि वह ऐसी फिल्म करना चाहती है, जिसे बेटी राहा देख सके। आलिया एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश रखती हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अब तक खुद कॉमेडी नहीं की है, इसलिए इस जॉनर की फिल्म करना चाहती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो मुझे इंस्पायर करे।' आलिया भट्ट आगे कहती हैं, 'कुछ एक्साइटिंग चीजें मेरे पास आई हैं, अभी इनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं। बस मैं सही डायरेक्शन में आगे बढ़ना चाहती हूं।'

इस साल एक्शन फिल्म में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म 'अल्फा' कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर आलिया इन दिनों काफी मेहनत कर रही हैं।

अक्षय के बाद अब आलिया भट्ट ने की 'लोका' की तारीफ

हालिया मलयालम फिल्म 'लोका: चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ओर से सराहा जा रहा है। यही नहीं धीरे-धीरे अब सेलेब्स भी इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी 'लोका' की तारीफ की है।

आलिया ने 'लोका' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में आलिया ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'पौराणिक लोककथाओं और रहस्य का शानदार ताजा मिश्रण है 'लोका'। फिल्म को मिल रहे प्यार को देखकर काफी खुश हूं। मैं हमेशा से ऐसी फिल्मों और सिनेमा की तारीफ करने और उनका समर्थन करने को बेकरार रहती हूं।' आलिया ने फिल्म की कास्ट और क्रू को मेंशन करते हुए फिल्म के अब हिंदी में भी उपलब्ध होने पर खुशी जताई है। आलिया से पहले अभिनेता अक्षय कुमार ने भी 'लोका' का समर्थन करते हुए फिल्म की मुख्य अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ की थी। अक्षय ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म की तारीफ करते हुए एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में अक्षय ने लिखा, 'प्रतिभा तो परिवार में ही होती है, सुना था, अब देख भी लिया। प्रियदर्शन सर की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन के शानदार अभिनय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिल रही हैं। उन्हें और लोका की पूरी टीम को उनके हिंदी संस्करण के रिलीज होने पर मेरी शुभकामनाएं।'' लोका: चैप्टर 1' एक सुपर नेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित 'लोका' में कल्याणी प्रियदर्शन प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं।

51 की उम्र में भी कहर ढा रहीं उर्मिला मातोंडकर

आजकल अपनी फिटनेस को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर अब उम्र के 50 साल पूरे कर चुकी हैं. लेकिन एक्ट्रेस को देखकर बिल्कुल नहीं लगता कि उनकी इतनी उम्र है. अब फिल्मी दुनिया से दूर उर्मिला इवेंट वगैरा में ही नजर आती हैं और हमेशा अपने स्टाइल से हर किसी का दिल चुरा लेती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल हैंडल पर कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की, जो लोगों को काफी पसंद आ रही हैं. तस्वीरों में 51 साल की उर्मिला बहुत ही खूबसूरत और यंग लग रही हैं.

हाल ही एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी कुछ हसीन तस्वीरें शेयर की हैं. हर एक तस्वीर में एक्ट्रेस किलर पोज देते नजर आ रही हैं. मिनी स्कर्ट पहने उमरीला काफी यंग और बोल्ड नजर आ रही हैं. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की अच्छी पकड़ हैं. यहां उनके 1 मिलियन फॉलोवर्स हैं. फैंस उर्मिला पर जमकर प्यार लुटाते हैं. इन तस्वीरों को देखकर लोग उनकी खूब सराहना कर रहे हैं. 51 की उम्र में भी उर्मिला काफी फिट और यंग नजर आ रही हैं.

उर्मिला मातोंडकर के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस फिल्मों के साथ ही एक्ट्रेस राजनीती ने सक्रीय रह चुकी हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड आर्टिस्ट से की थी. इस फिल्म का नाम 'कर्म' था, जो साल 1977 में आई थी. बतौर लीड एक्ट्रेस उर्मिला 'नरसिम्हा' फिल्म में दिखीं. इसके बाद साल 1995 में आमिर खान और जैकी श्रॉफ संग आई फिल्म 'रंगीला' ने उन्हें घर-घर फेमस कर दिया. वहीं पिछले कई सालों से उर्मिला फिल्मी दुनिया से दूर नजर आ रही हैं.

मलाइका ने बेचा मुंबई के पॉश इलाके में बना अपना अपार्टमेंट

2.04 करोड़ रुपए का हुआ फायदा

बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा ने मुंबई के अंधेरी पश्चिम में स्थित अपना एक अपार्टमेंट बेंच दिया है। स्क्वायर याड्‌र्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने 5.30 करोड़ रुपये में अपना लग्जरी आवासीय अपार्टमेंट बेचा है। जानकारी के मुताबिक, यह लेनदेन पिछले महीने अगस्त में पंजीकृत किया गया था।

2018 में खरीदा था अपार्टमेंट

स्क्वायर याड्‌र्स द्वारा समीक्षा किए गए आईजीआर दस्तावेजों के अनुसार, यह संपत्ति अंधेरी पश्चिम में लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के रनवाल एलिगेंट में स्थित है। मलाइका अरोड़ा द्वारा बेचे गए इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1,369 वर्ग फुट है और निर्मित क्षेत्रफल 1,643 वर्ग फुट है। इस लेन-देन में एक कार पार्किंग स्पेस भी शामिल है। इस सौदे में 31.08 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा। मलाइका ने इसे मार्च 2018 में 3.26 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे इसकी कीमत में लगभग 2.04 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मुंबई का पॉश इलाका है अंधेरी पश्चिमी

अंधेरी पश्चिम में एक प्रमुख आवासीय एरिया है। इस इलाके में कई लग्जरी आवास और सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह इलाका वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, एसवी रोड, उपनगरीय रेल और वर्सोवा-घाटकोपर मेट्रो कॉरिडोर के माध्यम से बेहद कनेक्टिविटी वाला है।

Ahaan पांडे और अनीत पड्डा स्टारर रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' ने अपने रिलीज से तहलका मचा दिया. कई बड़ी-बड़ी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसे छापे. महीनेभर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छाई रही और ताबड़तोड़ कमाई की. वर्ल्डवाइड फिल्म ने 550 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया है. साथ ही फिल्म ने कई बड़े-बड़े सुपरस्टार्स की फिल्मों को भी पछाड़ दिया है.

बॉक्स ऑफिस पर बुलेट ट्रेन की तरह दौड़ी 'सैयारा'

टोटल कमाई जान हिल जाएगा दिमाग

कलेक्शन के मामले में पहले दिन से ही फिल्म रिकॉर्ड बना रही है. 7 हफ्तों में घरेलु बॉक्स ऑफिस पर सैयारा ने ताबड़तोड़ 329.25 करोड़ नेट की कमाई की और सलमान खान की 'सुल्तान' (300 करोड़ करोड़), संजय लीला भंसाली की 'पद्मावत' (302 करोड़ रुपये) और कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' (260 करोड़) जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. भारत के साथ ही बाकि देशों में भी फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला. बिना किसी बड़े चेहरे के 'सैयारा' ने विदेशों में 19.5 मिलियन डॉलर (लगभग 162 करोड़) की कमाई की. लीड स्टार अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लोगों को काफी पसंद आई है.

धोखाधड़ी मामले में बढ़ीं शिल्पा और राज की मुश्किलें

मुंबई पुलिस ने जारी किया लुक आउट नोटिस

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया।

क्राइम ब्रांच ने जारी किया सर्कुलर

मामले में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। उन्होंने बताया कि अदाकारा और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन में एक कारोबारी से लोन कम निवेश सौदे में लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था।

इसलिए जारी होता है लुक आउट सर्कुलर

लुकआउट सर्कुलर एक ऐसी व्यवस्था है जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है, आमतौर पर एमीग्रेशन और सीमा नियंत्रण चौकियों को अलर्ट जारी करके।

जानिए क्या है पूरा मामला

शिल्पा और कुंद्रा पर पिछले दिनों मुंबई के एक कारोबारी दीपक कोठारी ने 60.4 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगाया था। आरोप था कि रकम 2015 से 2023 के बीच निवेश और लोन के रूप में दी गई थी, लेकिन बाद में कथित तौर पर इसे व्यक्तिगत खर्चों में इस्तेमाल किया गया। हालांकि, शिल्पा और राज के वकील ने इन आरोपों को निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि इस मामले का निपटारा पहले ही हो गया था।

मुख्यमंत्री ने सात बस स्टेशनों का किया शिलान्यास

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में परिवहन विभाग की कई नई सेवाओं और परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सुलभ, सुगम और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उन्होंने जन सेवा केंद्रों (CSC) के माध्यम से परिवहन सेवाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डिजिटल बस ट्रैकिंग ऐप 'यूपी मार्गदर्शी', सरल परिवहन हेल्पलाइन-149, इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट की नई बुकलेट का लोकार्पण किया और नई बसों व इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रदेश की सबसे बड़ी चुनौती है और इस पर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि हर तीन महीने में बस चालकों की फिटनेस जांच अनिवार्य की जाए और समय-समय पर उनकी आंखों की जांच भी कराई जाए। सीएम योगी ने परिवहन विभाग को IIT खड़गपुर के सहयोग से टेक्नोलॉजी के जरिए सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के निर्देश दिए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग और सीएससी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, चार स्क्रैपिंग सेंटर और चार ऑटोमैटिक टेस्टिंग सेंटर के निवेशकों को प्रमाण पत्र दिए गए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत परिवहन निगम में नियुक्त 2000 महिला परिचालकों में से तीन को मौके पर नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

मुख्यमंत्री ने सात बस स्टेशनों का शिलान्यास किया जो पीपीपी मॉडल पर 851 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाएंगे। इसके अलावा, 25 बस स्टेशनों के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्य भी किया गया जिन पर 85 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही, IIT खड़गपुर और परिवहन विभाग के बीच सड़क सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के लिए एमओयू भी साइन हुआ।

मुख्यमंत्री ने आठ डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों, 16 इलेक्ट्रिक बसों, एक रेट्रोफिट इलेक्ट्रिक बस, 10 सीएनजी बसों, दो एसी बसों, 20 टाटा बसों, 43 आईशर बसों और कुल 400 बीएस-6 मानक बसों को हरी झंडी दिखाई। परिवहन आयुक्त संगठन की 11 नई इंटरसेप्टर गाड़ियां भी आज से सड़कों पर उतर गईं।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री सहित प्रमुख सचिव अमित गुप्ता, परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह, प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर और विभाग व निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है।

हर्ष, उल्लास के साथ गणेश विसर्जन

नोएडा (चेतना मंच)। फ़र्स्टवन एवं विन्सम परिवार ने मिलकर हर्ष, उल्लास और गहरी आस्था के साथ गणेश विसर्जन मनाया।

यह अवसर केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं रहा, बल्कि पूरे परिवार के लिए एकजुटता, सहयोग और खुशियों को साझा करने का प्रतीक भी बना। इस मौके पर पूरे परिवार के सदस्य- बच्चे, पेरेंट्स, पेशेंट्स और टीम- सभी ने भक्ति और उमंग के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

बच्चों में शोभित, सारांश, वंश, भाविका, आरव, शिव, राजवी, राघवी, सान्वी, अनीशा, अशिता, ग्रंथ, ओशिमा, ओजिता, आराध्या, पावनी, स्नेहा आरव, मेघन, रूही, विधि और नैतिक शामिल रहे, जिन्होंने अपनी ऊर्जा और मासूम मुस्कान से माहौल को और भी पवित्र व आनंदमय बना दिया।

टीम से सौम्या सोनी (डिजिटल मीडिया एवं कम्युनिकेशन मैनेजर), सुरभि जैन (सेंटर मैनेजर), डॉ. महिपाल सिंह (डायरेक्टर), डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर), डॉ. भावना आनंद, कृष्ण यादव (एडमिन हेड), डॉ. सुष्मिता भाटी (सीईओ), सुश्री इलिका रावत (स्पेशल एजुकेटर), रितेश सिन्हा, रजत शर्मा, दिव्या कार्की, और उदय कुमार यादवउपस्थित रहे और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। सभी सदस्यों ने मिलकर पूरे आयोजन को और भी सार्थक और जीवंत बनाया।

डीएम ने किया PET परीक्षा केंद्रों पर औचक निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2025 का प्रथम दिन शनिवार को जिले के 40 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल सम्पन्न हुआ। परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई, जिसमें प्रशासन ने पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कड़े इंतजाम किए।

परीक्षा में उपस्थिति का आंकड़ा

- जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर पीइटी-2025 का पहला दिन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न हुआ।
- पहली पाली में कुल 17,592 अभ्यर्थियों में से 12,492 उपस्थित रहे, जबकि 5,100 अनुपस्थित पाए गए।
- दूसरी पाली में भी 17,592 अभ्यर्थियों में से 12,808 उपस्थित रहे और 4,784 अनुपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने ग्रेटर नोएडा स्थित बालक इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई मूलभूत सुविधाओं—स्वच्छता, पेयजल, शौचालय आदि का जायजा लिया। इसके अलावा, परीक्षा कक्षों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा प्रबंधों और प्रवेश-निकास द्वार की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

डीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा अवधि में सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर किसी तरह की असुविधा न झेलनी पड़े, इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी पूरी सजगता के साथ कार्य करें।

यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण की 86वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की 86वीं बोर्ड बैठक शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देने वाले कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी।

प्राधिकरण ने प्रस्तावित न्यू आगरा मास्टर प्लान पर चर्चा करते हुए इसे 14,480 हेक्टेयर भूमि पर 16.5 लाख आबादी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार करने का निर्णय लिया। योजना को अंतिम रूप देने से पहले दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर और अहमदाबाद की एक विशेषज्ञ संस्था इसकी जांच-पड़ताल करेगी।

बैठक में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को गति देने के लिए मथुरा को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल की गई। इसमें वृंदावन, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रस्तावित फिल्म सिटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हेरिटेज सिटी का मॉडल अगली बोर्ड बैठक में स्वीकृति के लिए रखा जाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सटे सेक्टर-8स्न में लॉजिस्टिक हब विकसित किया जाएगा, जिसके लिए परामर्शदाता संस्था से अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही, हाथरस जिले के लिए मास्टर प्लान तैयार कराने हेतु सलाहकार संस्था के चयन को भी मंजूरी दी गई।

मास्टर प्लान-2041 के अंतर्गत 29 गांवों को स्मार्ट विलेज में तब्दील करने की योजना है। इनमें से 9 गांवों का काम पूरा हो चुका है, 10 में कार्य प्रगति पर है और 10 में जल्द शुरू होगा। 125 करोड़ रुपये की लागत से दिसंबर 2026 तक यह परियोजना पूरी करने का लक्ष्य है।

बैठक में ग्रुप हाउसिंग व व्यावसायिक भवनों के लिए स्ट्रक्चरल ऑडिट पॉलिसी लागू करने का फैसला भी हुआ। इसमें ढ्ढढ्ढञ्ज और ह्वढ्ढञ्ज जैसे संस्थानों के विशेषज्ञ पैनल में शामिल होंगे।

भूमि अधिग्रहण प्रभावित किसानों को अब तक 2835 करोड़ रुपये से अधिक का 64.7त्न अतिरिक्त प्रतिकर (नो लिटिगेशन इंसेंटिव) दिया जा चुका है। 29 गांवों के पात्र किसानों को 6260 आरक्षण पत्र जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से 4171 भूखंड आवंटित भी हो चुके हैं।

रोड किनारे कूड़ा डालने पर दो ट्रैक्टर ट्राली जब्त, एक लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की क्यूआरटी की तरफ से इधर-उधर कूड़ा फेंककर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को सेक्टर ज्यू वन के पास अवैध रूप से कूड़ा फेंकने पर टीम ने दो ट्रैक्टर ट्राली जब्त किया है।

स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आरके भारती ने बताया कि क्यूआरटी ने सेक्टर ज्यू वन के पास सर्विस रोड पर वेस्ट डालते हुए एक ट्रैक्टर- ट्राली को पकड़ा। उसे जब्त करते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। सेक्टर ज्यू वन के पास ही क्यूआरटी ने अवैध तरीके से रोड किनारे कूड़ा गिराते हुए एक और ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ा गया तथा उसको भी जब्त कर लिया गया और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। शुक्रवार देर शाम को कुल दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़ा गया तथा दोनों को मिलाकर एक लाख रुपया जुर्माना लगाया गया। ट्रैक्टर -ट्राली के मालिक के द्वारा भुगतान किए जाने पर ही छोड़ा जाएगा। इससे पहले भी 3 सितंबर को भी क्यूआरटी ने दो ट्रैक्टर ट्राली जब्त किया था और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा है कि इधर-उधर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।ऐसे लोगों पर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने ग्रेटर नोएडावासियों से शहर को साफ सुथरा बनाने में सहयोग करने और इधर-उधर कूड़ा न फेंकने की अपील की है।

कासना से एच्छर तक एसटीपी के शोधित पानी से हो सकेगी सिंचाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में भूजल बचाने के लिए सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर प्राधिकरण ने एक और परियोजना को मूर्त रूप दे दिया है।

एसीईओ प्रेरणा सिंह की देखरेख में जल- सीवर विभाग ने कासना एसटीपी से एच्छर तक ट्रीटेड वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन लाइन डाल दिया है। करीब 12 किलोमीटर लंबी इस डिस्ट्रीब्यूशन लाइन चालू होने से आसपास के पार्कों और ग्रीन बेल्ट की सिंचाई तथा औद्योगिक उत्पादनों के लिए पानी की जरूरत एसपी के ट्रीटेड वॉटर से पूरी हो सकेगी।

वरिष्ठ प्रबंधक जल राजेश कुमार ने बताया कि अभी तक कासना से लेकर एच्छर तक पार्कों और ग्रीन बेल्ट की सिंचाई के लिए भूजल का इस्तेमाल करना पड़ रहा था। इस लाइन के चालू होने से सिंचाई की जरूरत पूरी हो जाएगी।

इसी लाइन से पार्कों और ग्रीन बेल्ट में सिंचाई के लिए पानी का कनेक्शन कर दिया जाएगा। साथ ही आसपास (ईकोटेक- 1 एक्सटेंशन) के उद्योगों को औद्योगिक उत्पादनों के लिए पानी की जरूरत भी इसी ट्रीटेड वाटर से आसानी से पूरी हो सकेगी। उद्योगों की डिमांड पर छोटी लाइन डालकर कनेक्शन कर दिया जाएगा। इससे भूजल की बचत होगी।